दैनिक समाचार पत्र
देश का दर्पण न्यूज
राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित
वर्ष-5, अंक: 90
जयपुर शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025
मूल्य : 5.00 पेज:

देश का Darpan News TV
FASTWAY
airtel
Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अख़बार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web.: www.deshkadarpannews.co

भारत-ब्रिटेन में निवेश सहित 12 बिन्दुओं पर सहमति

नई दिल्ली
भारत और ब्रिटेन के बीच गुरुवार को हुई उच्चस्तरीय वार्ता में प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, शिक्षा, व्यापार एवं निवेश, जलवायु, स्वास्थ्य और अनुसंधान के क्षेत्रों में 12 नई पहल और समझौतों की शुरूआत हुई। दोनों देशों ने इन समझौतों के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग को और गहराई देने तथा साझा विकास के अवसरों को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए एक मजबूत और स्थायी साझेदारी के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने आज मुंबई में व्यापक वार्ता की। दोनों पक्षों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के नए अवसरों की पहचान की। चर्चा में भारत-ब्रिटेन संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई, जिसमें व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए), निवेश, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार, हरित ऊर्जा और जलवायु कार्रवाई, रक्षा और सुरक्षा तथा लोगों के बीच संबंध शामिल थे। उन्होंने हिंद-प्रशांत, यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति सहित प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत-यूके व्यापक आर्थिक व्यापार समझौता (सीईटीए) एक अभूतपूर्व पहल है। यह युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा, व्यापार का विस्तार करेगा और हमारे उद्योगों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभान्वित करेगा। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री स्टार्मर और उन्होंने आने वाले समय में हमारे देशों के बीच व्यापारिक संबंधों और आर्थिक संबंधों पर चर्चा की।

आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा

जलवायु प्रौद्योगिकी स्टार्टअप फंड में संयुक्त निवेश से जुड़ा एक नया समझौता हुआ, जो जलवायु प्रौद्योगिकी और एआई जैसे क्षेत्रों में नवाचारी उद्यमियों को प्रोत्साहन देगा। स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और ब्रिटेन की नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ एंड केयर रिसर्च (एनआईएचआर) के बीच आशय पत्र पर भी हस्ताक्षर किए गए। इससे पहले मुंबई के राजभवन में अपने मित्र, प्रधानमंत्री कीर स्टारमर का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हुई। उनकी पहली भारत यात्रा होने के कारण, यह निश्चित रूप से एक विशेष अवसर है। भारत में सबसे बड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति इसे और भी खास बनाती है।

ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी

हमारी बातचीत में प्रमुखता से शामिल हुए अन्य मुद्दों में प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सतत विकास, नवीकरणीय ऊर्जा आदि शामिल थे। विभिन्न ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से मिलकर भी हमें बहुत खुशी हुई। हम ब्रिटेन के साथ शैक्षिक और सांस्कृतिक संबंधों को और आगे बढ़ाते रहेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत-यूके कनेक्टिविटी एवं इनोवेशन सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित संयुक्त केंद्र, महत्वपूर्ण खनिज उद्योग गिल्ड और आईआईटी-आईएसएम धनबाद में एक नए सेटलाइट परिसर की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला वेधशाला के दूसरे चरण और जैव-चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम के तीसरे चरण का शुभारंभ भी किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में बेंगलुरु में लैंकेस्टर विश्वविद्यालय का परिसर खोलने के लिए आशय पत्र सौंपा गया, जबकि गिफ्ट सिटी में सरे विश्वविद्यालय का परिसर स्थापित करने को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। व्यापार एवं निवेश के क्षेत्र में पुनर्गठित भारत-यूके सीईओ फोरम की उद्घाटन बैठक हुई और संयुक्त आर्थिक व्यापार समिति का पुनर्गठन किया गया, जिससे सीईटीए के कार्यान्वयन में सहयोग मिलेगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया समकालीन प्रौद्योगिकी में रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमत

नई दिल्ली। दो दिवसीय यात्रा पर ऑस्ट्रेलिया गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने समकक्ष रिचर्ड मार्लेस के साथ कई अहम मुद्दों पर द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा, संयुक्त समुद्री सुरक्षा सहयोग, द्विपक्षीय रक्षा ढांचे का विस्तार करने के रोडमैप पर चर्चा की। मंत्रियों ने ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग में चल रही प्रगति का स्वागत किया। दोनों पक्ष समकालीन प्रौद्योगिकी में रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमत हुए।

अगस्त 2027 तक पटरियों पर दौड़ने लगेगी बुलेट ट्रेन: रेल मंत्री वैष्णव

नई दिल्ली
केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि अगस्त 2027 तक देश की पहली बुलेट ट्रेन पटरियों पर दौड़ने लगेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए काम पूरी गति से चल रहा है और जल्द ही इसके पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में केवल गुजरात में 2764 किलोमीटर का रेलवे ट्रैक बिछाया गया है। रेलवे ने गुजरात में भारी निवेश किया है। 86 नए रेलवे स्टेशन को बनाया जा रहा है और 332 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाये जा रहे हैं। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि गुजरात ने जिस तरह की शानदार प्रगति की है, वह पूरी दुनिया में अध्ययन का विषय बन गई है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहिए।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में देश और दुनिया के निवेशकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राज्य के औद्योगिक इकाइयों को गति देने के लिए फ्रेट कॉरोडोर में प्रतिदिन लगभग 400 ट्रेन चल रही हैं। 31 प्रोजेक्ट्स की डीपीआर बन रही है और इनके माध्यम से गुजरात में भारी निवेश होगा। इससे गुजरात के रेलवे ट्रैक को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जल्द ही गुजरात के बने सेमीकंडक्टर पूरे दुनिया में उपयोग किये जायेंगे। इस क्षेत्र में 1.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है, जबकि जापान की कई बड़ी कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हमें क्वालिटी को लेकर और अधिक जागरूकता चाहिए।

वकील द्वारा जूता फेंके जाने के मामले में बोले सीजेआई: 'हमारे लिए अब यह बीता अध्याय है'

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर बीते सोमवार को 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर द्वारा जूता फेंकने की कोशिश करने के मामले में देशभर में चर्चा तेज है। ऐसे में सीजेआई गवई ने गुरुवार को इस मामले में फिर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सोमवार को जो कुछ हुआ, उससे मैं और मेरे साथी जस्टिस विनोद चंद्रन बहुत स्तब्ध रह गए। हालांकि, अब यह हमारे लिए एक भूला हुआ अध्याय है। गवई ने मामले को आगे न बढ़ाने का संकेत भी दिया। बता दें कि यह टिप्पणी उस समय आई जब अदालत वनाशक्ति फैसले से जुड़े पुनर्विचार याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी। इस बेंच में जस्टिस उज्जल भुयान भी शामिल थे। उन्होंने वकील राकेश किशोर के इस हरकत पर सख्त प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस हरकत पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट का अपमान बताया। मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस हरकत को अक्षम्य बताया और सीजेआई की गरिमा और संयम की प्रशंसा की। वहीं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मामले को यहीं खत्म करने की बात कही।

"सोमवार को जो कुछ हुआ उससे मैं और मेरे साथी बहुत स्तब्ध हैं। हमारे लिए यह एक भुला दिया गया अध्याय है।"
सीजेआई न्यायमूर्ति बीआर गवई

क्या है पूरा मामला ?
दरअसल, ये पूरा मामला तब प्रकाश में आया जब बीते सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर ने सीजेआई गवई की ओर जूता फेंकने की कोशिश की थी।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने समाप्त की राकेश किशोर की सदस्यता

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले वकील राकेश किशोर की अस्थायी सदस्यता निलंबित कर दी है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की बैठक में इस आशय का फैसला किया गया।
सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने उच्चतम न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिखकर कहा है कि राकेश किशोर का उच्चतम न्यायालय में प्रवेश पर रोक लगाई जाए और उसके प्रॉक्सिमिटी कार्ड को निरस्त किया जाए। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने अपने बयान में कहा है कि कोर्ट के एक अधिकारी के रूप में राकेश किशोर का व्यवहार प्रोफेशनल एथिक्स के खिलाफ है।

बिहार में अपने झूठे प्रचार अभियान के लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए: भाजपा

नई दिल्ली
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि राहुल गांधी को बिहार में अपने झूठे प्रचार अभियान के लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने बिहार में घूम-घूमकर वोट चोरी के झूठे आरोप लगाए और उन्होंने विशेष पुर्ननिरीक्षण (एसआईआर) का विरोध किया था। हमने तब भी कहा था कि राहुल गांधी एसआईआर का विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे घुसपैठियों को संरक्षण देते हैं। उन्होंने कहा कि 8 अक्टूबर को बिहार चुनाव आयोग और वहां के अधिकारियों ने सूची

सार्वजनिक की है। ये सूची स्पष्ट करती है कि कांग्रेस और आरजेडी के एक भी कार्यकर्ता ने, एक भी बूथ लेवल एजेंट ने बिहार में फाइनल इलेक्टोरल लिस्ट पर एक भी अपील नहीं की है। इस जीरो अपील के आधार पर हम कह सकते हैं कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया में उन्हें कोई विरोधाभास नहीं दिखा है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि जो मुद्दा राहुल गांधी ने बिहार चुनाव में बनाने का प्रयास किया था, वो जमीन पर कोई मुद्दा है ही नहीं। यह राहुल गांधी के झूठे प्रचार का पूरी तरह से पर्दाफाश करता है। प्रदीप भंडारी ने कहा कि जो मुद्दा राहुल गांधी उठाते हैं, उसमें न राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को विश्वास होता है और न ही कांग्रेस की बिहार यूनिट को। र राहुल गांधी का ये प्रोपेगेंडा पूरी तरह झूठा साबित हुआ। राहुल गांधी को बिहार की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। 26/11 आतंकी हमले के सवाल पर प्रदीप भंडारी ने कहा कि आतंकी हमले का जवाब देने के लिए सेना पूरी तरह से तैयार थी लेकिन उन्हें रोका गया।

2022 से पहले भ्रूण फ्रीज, तो सरोगेसी कानून से छूट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मां-बाप कौन बनेगा, यह सरकार तय नहीं कर सकती

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि 2022 से पहले अगर महिला ने भ्रूण (फर्टिलाइज एग्स) फ्रीज करा दिया है तो उसे सरोगेसी कानून के तहत एज लिमिट से छूट मिल सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सरकार की तरफ से बढ़ती उम्र को चिंता का कारण बताने पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा- कौन मां-बाप बन सकता है, ये सरकार तय नहीं कर सकती क्योंकि नेचुरल प्रोसेस में भी कोई एज लिमिट नहीं है। दरअसल, यह पूरा मामला सरोगेसी कानून 2021 से जुड़ा है, जो जनवरी 2022 में

लागू हुआ था। कानून के मुताबिक, जिन पुरुष की आयु 26-55 साल और महिला की आयु 23-50 साल के बीच है, उन्हीं को सरोगेसी की परमिशन होगी। इस कानून के खिलाफ कई याचिकाएं लगाई गईं। मुख्य याचिकाकर्ता चेन्नई बेस्ड इन्फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ अरुण मुथुवेल हैं, जिन्होंने कॉमर्शियल सरोगेसी पर बैन हटाने की भी मांग की थी। कोर्ट ने महीनों चली सुनवाई के बाद जुलाई 2025 में फैसला सुरक्षित रख लिया था।
कानून बनने से पहले दंपत्तियों ने जब अपना भ्रूण फ्रीज कराया तब कोई कानूनी उम्र सीमा लागू नहीं थी। इसलिए उनके पास सरोगेसी का अधिकार पहले से बना हुआ था। ऐसे में नया कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं किया जा सकता। सरोगेसी तब शुरू मानी जाएगी जब दंपति के गैमेट्स (स्पर्म और एग) निकाल लिए गए हों और भ्रूण तैयार कर फ्रीज कर दिया गया हो। इसके बाद दंपति का काम पूरा हो जाता है। आगे का प्रोसेस सिर्फ सरोगेट मां से संबंधित है।कोर्ट ने सरकार के उस तर्क को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि बुजुर्ग माता-पिता बच्चों की देखभाल नहीं कर पाएंगे। इसलिए उम्र सीमा जरूरी है।

स्पेक्ट्रम की कीमतें तय होने के बाद देश में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू होंगी: सिंधिया

नई दिल्ली
केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) से स्पेक्ट्रम की कीमतें तय होने के बाद देश में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू होंगी। इसके पहले कंपनियों को भी अपनी योजना को अंतिम रूप दिया जाना है।
केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दो कंपनियों को उपग्रह संचार सेवाओं के लिए लाइसेंस दिए गए हैं, जबकि एक अन्य को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया गया है। नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी 2025) में पत्रकारों के साथ बातचीत में केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा कि यह कंपनियों पर निर्भर करता है कि वे कितनी जल्दी अपनी क्रियान्वयन रणनीति लागू कर पाती हैं। हालांकि, उन्?होंने कहा कि एक मुद्दा यह है कि ट्राई को अभी स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण को अंतिम रूप देना है। यह लंबित हिस्सा है और नियामक इसे पूरा करेगा। वोडाफोन आइडिया को राहत दिए जाने के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कर्ज में डूबी इस कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी बढ़ाने की किसी भी योजना से इनकार किया। इससे पहले दूरसंचार मंत्री ने भारत मोबाइल कांग्रेस 2025 के दूसरे दिन की शुरूआत भारत के दूरसंचार दृष्टिकोण को रेखांकित करने के लिए हितधारकों के साथ नेतृत्व संवाद के साथ किया।

सभी ठोस कचरे को सड़क निर्माण में उपयोग करने की योजना: गडकरी

नई दिल्ली
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि साल 2027 तक देश के सभी ठोस कचरे को सड़क निर्माण में उपयोग करने की सरकार की योजना है। इस 'कचरे से धन' (वेस्ट टू वेल्थ) पहल के तहत अब तक 80 लाख टन कचरा चिह्नित कर सड़क परियोजनाओं में उपयोग किया जा चुका है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ टिकाऊ बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। गडकरी ने गुरुवार को यहां पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के 120वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की योजना 2027 के अंत तक देश में उपलब्ध सभी ठोस कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में करने की है। उन्होंने कहा कि हम पहले ही 80 लाख टन कचरे को अलग कर उसके माध्यम से सड़कों का निर्माण कर रहे हैं। कचरे के ढेर अब संसाधन बन रहे हैं। गडकरी ने वैकल्पिक ईंधनों पर

कहा कि जैव ईंधन, इथेनॉल, हाइड्रोजन, मेथनॉल, बायोडीजल, एलएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में नवाचारों के चलते भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2014 में भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग 14 लाख करोड़ रुपये का था, जो अब बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। इस क्षेत्र में भारत अब अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले पांच वर्षों में भारत इस क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बन सकता है। गडकरी ने कहा कि टू-व्हीलर निमार्ताओं जैसे हीरो, होंडा, बजाज और टीवीएस अपनी 50 प्रतिशत उत्पादन क्षमता का निर्यात कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कृषि और निर्माण उपकरण निमार्ताओं को नवाचार व पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश का सालाना पेट्रोलियम, डीजल और गैस आयात बिल 22 लाख करोड़ रुपये का है, जिसे वैकल्पिक ईंधनों के माध्यम से कम किया जा सकता है। यदि इस आयात में से 15 लाख करोड़ रुपये की बचत होती है, तो यह धनराशि देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में उपयोग की जा सकती है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा साझेदारी के लिए तीन प्रमुख समझौतों पर किये हस्ताक्षर

नई दिल्ली
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करके अपनी यात्रा शुरू की। पहले दिन विदेश मंत्री पेनी वोंग और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से मुलाकात करके द्विपक्षीय बैठकें कीं। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर करके अपनी रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बढ़ती भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने

और व्यापार, प्रौद्योगिकी, संपर्क और क्षेत्रीय सुरक्षा सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा साझेदारी को मजबूत करने के लिए तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं, जो सूचना साझाकरण समझौता, पनडुब्बी खोज एवं बचाव सहयोग पर समझौता ज्ञापन और संयुक्त स्टाफ वार्ता की स्थापना से संबंधित हैं। इन समझौतों का उद्देश्य दोनों सशस्त्र बलों के बीच परिचालन समन्वय, समुद्री सुरक्षा सहयोग और अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है। सैन्य अभ्यास, रक्षा उद्योग सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और बहुपक्षीय सहयोग में द्विपक्षीय पहलों पर भी चर्चा हुई।

असम में भाजपा को लगा झटका, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता राजेन गोहेन समेत 18 नेताओं का इस्तीफा

डिब्रूगढ़
असम में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और चार बार के भाजपा सांसद राजेन गोहेन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ कुल 17 अन्य सदस्यों ने भी पार्टी से अपना त्यागपत्र सौंपा। राजेन गोहेन ने यह फैसला राज्य भाजपा अध्यक्ष

दिलीप सैकिया को लिखे पत्र में बताया, जिसमें उन्होंने कहा कि वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी जिम्मेदारियों से तुरंत प्रभाव से हट रहे हैं।
सूत्रों के अनुसार, इस्तीफा देने वाले अधिकांश सदस्य ऊपरी और मध्य असम से हैं। राजेन गोहेन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि पार्टी ने 'असम के लोगों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया।

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर नाम निर्देशन के निमित्त विधि व्यवस्था एवं यातायात के सुचारू ढंग से परिचालन हेतु प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों/ पुलिस पदाधिकारियों को जिला दंडाधिकारी सिवान एवं पुलिस अधीक्षक सिवान के द्वारा संयुक्त रूप से संबोधित किया गया

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान,09 अक्टूबर 2025 गुरुवार को बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के निमित्त कल दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को अधिसूचना जारी होने के पश्चात यातायात के सुचारू संचालन हेतु ट्रैफिक व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है

सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल स-समय प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंचकर दृढ़ता पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहण करें-जिला दंडाधिकारी, सिवान

संयुक्त संबोधन में जानकारी दी गई कि बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के निमित्त भारत निर्वाचन, नई दिल्ली के द्वारा प्रेस नोट जारी कर सिवान जिला अंतर्गत कुल आठ विधानसभा क्षेत्र 105- सिवान, 106- जीरादेई, 107-दरौली (अनुसूचित जाति), 108- रघुनाथपुर, 109- दरौंदा, 110- बड़हरिया, 111- गोरियाकोठी एवं 112- महाराजगंज में प्रथम चरण में दिनांक 06 नवंबर 2025 को मतदान की तिथि निर्धारित की गई है। कल दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को अधिसूचना जारी की जाएगी। 17 अक्टूबर 2025 तक नाम निर्देशन किया जा सकेगा। संवीक्षा की तिथि 18 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है तथा अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है।

इस दौरान 105- सिवान, 106- जीरादेई, 107 दरौली- (अनुसूचित जाति),108- रघुनाथपुर 109- दरौंदा, 110-बड़हरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के नामांकन हेतु समाहरणालय सिवान, अनुमंडल सिवान सदर एवं उप विकास आयुक्त के कार्यालय भवन में अभ्यर्थियों के आगमन हेतु यातायात व्यवस्था में परिवर्तन की गई है।

जेपी चौक- महादेवा सड़क के तरफ से प्रवेश करने वाले अभ्यर्थी/ प्रस्तावक/ समर्थक का वाहन जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के निकट अवस्थित ड्रॉप गेट पर अभ्यर्थी प्रस्तावक/ समर्थक को उतार कर अनुमंडल कार्यालय के आगे नया कोषागार भवन होते हुए गांधी मैदान में निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क होगी। अभ्यर्थी/ प्रस्तावक/ समर्थक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के निकट स्थित ड्रॉप गेट से पैदल चलकर 109- दरौंदा विधानसभा क्षेत्र के लिए जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, सिवान स्थित निवार्ची पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त सिवान के कार्यालय प्रकोष्ठ में प्रवेश करेंगे। 105-सिवान, 107- दरौली (अनुसूचित जाति) एवं 110- बड़हरिया विधानसभा के लिए जिला ग्रामीण विकास अभिकरण से पैदल चलकर सिवान समाहरणालय के पूर्वी गेट से संग्रहालय सिवान में प्रवेश करेंगे।

मालवीय चौक की तरफ से आने वाले अभ्यर्थी/ प्रस्तावक/ समर्थक समाहर्ता निवास मार्ग के समीप अवस्थित ड्रॉप गेट पर अपने वाहन से उतरकर पैदल नामांकन कक्ष तक आएंगे तथा उनका वाहन नया कोषाकर भवन होते हुए गांधी मैदान में निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क होगी।

106- जीरादेई एवं 108 -रघुनाथपुर विधानसभा के लिए जेपी चौक महादेवा सड़क के तरफ से प्रवेश करने वाले अभ्यर्थी/ प्रस्तावक/ समर्थक का वाहन अनुमंडल कार्यालय, सिवान के निकट अवस्थित ड्रॉप गेट पर अभ्यर्थी प्रस्तावक/ समर्थक को उतार कर अनुमंडल कार्यालय के आगे नया कोषागार भवन होते हुए गांधी मैदान में निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क होगी।

गर्व है, मैं मतदाता हूँह्व का संदेश दिया और लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सीवन जिले के बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत संपूर्ण सिवान जिले में स्वीप (SVEEP) गतिविधि के आईसीडीएस (ICDS) सिवान के द्वारा लगातार विशेष कार्यक्रम का आयोजन के जरिए किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केंद्रों की सेविका, सहायिका एवं ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उपस्थित महिलाओं ने ह्लगर्व*है, मैं मतदाता हूँह्व का संदेश दिया और लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं एवं नव मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराना तथा शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करना था।

सेविकाओं एवं सहायिकाओं ने मतदाता जागरूकता गीतों, रंगोली,नारों और स्लोगन के माध्यम से मतदान के प्रति जनजागरण फैलाया।

इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि हर एक मत लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है।

ह्लपहले मतदान, फिर जलपानह्व का संकल्प दोहराते हुए उपस्थित सभी महिलाओं ने 100% मतदान सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की प्रस्तावित जयपुर यात्रा की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने उच्चस्तरीय बैठक में दिए निर्देश

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के प्रस्तावित जयपुर दौरे (13 अक्टूबर) की तैयारियों को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को परस्पर समन्वय स्थापित करते हुए संबंधित व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने के बाद आपराधिक न्याय प्रणाली में सकारात्मक बदलाव आया है। इन तीन नवीन कानून के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित होने वाली छह दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का 13 अक्टूबर को केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अपनी तय जिम्मेदारियों के अनुसार काम कर प्रदर्शनी का सफल आयोजन एवं अधिकाधिक आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग, दुग्ध उत्पादकों एवं विद्यार्थियों को डीबीटी

श्री शर्मा ने कहा कि इस अवसर पर केन्द्रीय गृहमंत्री राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत प्राप्त निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग के साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही, प्रदेश के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म एवं दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी राशि का हस्तान्तरण तथा 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना के तहत रजिस्ट्रेशन का शुभारम्भ किया जाएगा। एफ.एस.एल. हेतु वाहनों एवं महिला सुरक्षा सम्बन्धी पेट्रोलिंग की स्कूटियों एवं मोटरसाइकिलों का फ्लैगऑफ भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन गतिविधियों की तैयारी समय पर पूरी की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 13 अक्टूबर से जयपुर में जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कॉन्फ्रेन्स का आयोजन करने जा रही है। इस दौरान कानून व्यवस्था, भूप्रबंधन, सुशासन, सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर समीक्षा की जाएगी। साथ ही, राज्य सरकार के विकास के रोडमैप को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस कॉन्फ्रेन्स के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय गृहमंत्री भी शामिल होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि कॉन्फ्रेन्स की समुचित तैयारियां सुनिश्चित की जाए ताकि यह कॉन्फ्रेन्स प्रदेश के विकास को नई दिशा देने वाली साबित हो सके। इस दौरान मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संरक्षण अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा संरक्षण अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के प्रश्नपत्रों की मॉडल उत्तरकुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी हैं। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक श्री आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त परीक्षा का आयोजन 13 सितंबर 2025 को किया गया था। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तरकुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 11 से 13 अक्टूबर 2025 को रात्रि 12:00 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाईन दर्ज करवा सकता है। आपत्तियां आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करें।आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाईन ही प्रविष्ट करे। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही उक्त परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाता है, तो उस पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न हेतु आपत्ति शुल्क रु 100/- (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक (क्वेश्चन ऑब्जेक्शन) पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज कराकर प्रति प्रश्न आपत्ति शुल्क रू. 100/-(सेवा शुल्क अतिरिक्त) के हिसाब से कुल आपत्ति शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा अभ्यर्थी स्वयं भी रिक्रूटमेंट पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे पर भुगतान कर आपत्तियां दर्ज कर सकता है। आयोग द्वारा शुल्क वापस लौटाने का प्रावधान नहीं है।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के आधार हैं सेक्टर पदाधिकारी: जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी, सिवान डॉ आदित्य प्रकाश

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान,आज दिनांक 09अक्टूबर 2025 को डॉ अंबेडकर भवन, सिवान के संवाद कक्ष में बिहार विधानसभा निर्वाचन 2025 के निमित्त सिवान जिला अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र में प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारी का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। सेक्टर पदाधिकारीगण का प्रशिक्षण सत्र डॉ अंबेडकर भवन के संवाद कक्ष में आहूत किया गया

सेक्टर ऑफिसर प्रतिनियुक्ति के साथ ही सीधे चुनाव आयोग के अधीन हो जाते हैं- जिला पदाधिकारी

सेक्टर पदाधिकारी का कार्य निर्वाचन प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका दायित्व सबसे पहले शुरू होकर अंत तक रहता है। उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिला पदाधिकारी सिवान डॉ आदित्य प्रकाश ने आज दिनांक 09अक्टूबर 2025 को डॉ अंबेडकर भवन के संवाद कक्ष में आयोजित सेक्टर पदाधिकारीगण एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही।

. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सेक्टर पदाधिकारी चुनाव की धुरी हैं तथा क्षेत्र में आप ही निर्वाचन आयोग एवं प्रशासन की आंखऔर कान हैं ।

वलनरेबल क्षेत्र और क्रिटिकल बूथ की करें पहचान

जिलाधिकारी ने कहा कि सबसे पहले आपको वलनरेबल क्षेत्र और क्रिटिकल बूथ की पहचान करनी है। इसके लिए उन्होंने विभिन्न मापदंड को विस्तार से बताया गया। कहा गया कि आपके पास आवंटित किए गए बूथों का नजरी नक्शा, रूटचार्ट और कम्युनिकेशन प्लान होना चाहिए।

सभी प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्र केअंतर्गतआने वाले मतदान केंन्द्रों का भ्रमण कर भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान ए एम एफ और पहुंच पथ की अद्यतन स्थिति की जानकारी देने का निर्देश दिया गया। अपने क्षेत्र के इलाके का भ्रमण करते हुए आसूचना एकत्र कर भेद्यता मानचित्रण के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया गया।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 के अवसर पर निर्वाचन से संबद्ध RO,ARO का ऑन लाईन मूल्यांकन एवं संदेह-समाधान सत्र (Doubt Clearing Session) प्रशिक्षण का आयोजन समाहरणालय सिवान के सभागार में आयोजित किया गया

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सिवानः गुरुवार को बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 के क्रम में निर्वाचन से संबद्ध पदाधिकारियों फ्ढ२, अफ्ढ२ के लिए क्क्क्अट ,भारत निर्वाचन आयोग,द्वारा निर्वाचन से संबंधित विविध गतिविधियों हेतु डल्ल’ल्ली ’२ीर२ीेल्ल३ एवं ऊ्न४३ ्’१ल्ल ’ ीर२३ङ्गल्ल प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विविध गतिविधियों एवं दायित्व की जानकारी भी दी गई।साथ ही ऑनलाइन डॉट प्रणाली क्लीयरिंग सेशन और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया के सुदृढ़ क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं कुशल संचालन सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से निर्वाचन से जुड़ी बारीकियां, कानून एवं तकनीकी पहलुओं की भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।जिससे अधिकारी गण आगामी विधानसभा चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

इस अवसर पर सभी विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी ,उप निर्वाचन पदाधिकारी, सिवान उपस्थित रहें।

69वें ब्लॉक प्राथमिक स्कूल खेलों का उद्घाटन विधायक स. गुरदीत सिंह सेखों ने किया

फरीदकोटः (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)69वें ब्लॉक प्राथमिक स्कूल खेलों का उद्घाटन आज स्थानीय नेहरू स्टेडियम फरीदकोट में फरीदकोट के विधायक स. गुरदीत सिंह सेखों ने किया।

इस अवसर पर विधायक सेखों ने खिलाड़ियों से सच्ची खेल भावना से खेलने की अपील की और कहा कि खेल हमें अनुशासन और स्वस्थ जीवन जीने का पाठ पढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तर पर खेल खेलने वाले खिलाड़ी एक प्रकार के पौधे हैं, जिन्हें फल देने हैं और बड़े पैमाने पर खेल खेलकर पंजाब का नाम रोशन करना है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ग्रामीण स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, ताकि बच्चों को स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा मिले और वे खेलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इस अवसर पर मार्केट कमेटी फरीदकोट के चेयरमैन स. अमनदीप सिंह बाबा, स. अमरदीप सिंह परमार, बीपीईओ जगतार सिंह, ब्लॉक प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, अध्यापकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। चेयरमैन अमनदीप सिंह बाबा, एमसी विजय छाबड़ा, गगनदीप सिंह पिपली, दविंदर सिंह भागथलां, गुरुमीत सिंह मनी सिंह वाला, अमरजीत सिंह मास्टर, गुरप्रीत सिंह धालीवाल, प्रीतम सिंह भाणा, सतनाम सिंह, राजिंदर दास रिंकू, गुरप्रीत सिंह सग्गू और जगमोहन सिंह जी आदि मौजूद थे।

आर्मी-डे परेड की तैयारियां कार्ययोजना के अनुरूप करें पूर्ण

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी 15 जनवरी को भारतीय सेना द्वारा जयपुर में आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जाएगा। इस सम्पूर्ण आयोजन के माध्यम से आमजन को भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान के गौरवशाली इतिहास को जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आर्मी-डे परेड का आयोजन भव्य और व्यापक रूप से किया जाएगा।

श्री शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह परेड भारतीय सेना और वीर सैनिकों के पराक्रम और वीरता को प्रदर्शित करेगी। प्रशासन और अधिकारी इस आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों को समय से पूर्ण करने के लिए सैन्य अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर जयपुर को जगतपुरा के महल रोड पर आर्मी-डे परेड से संबंधित सभी तैयारियां समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड में शामिल होने वाले विशिष्ट गणमान्य, सैन्य अधिकारी और शहीदों के परिजनों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। उन्होंने पुलिस आयुक्त, जयपुर को परेड स्थल पर पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था के उचित प्रबंधन के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड और इससे संबंधित अन्य आयोजनों को देखकर विशेष रूप से युवाओं में देश भक्ति की भावना और अधिक प्रबल होगी।

8 से 15 जनवरी तक होगा उपकरण प्रदर्शन

दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बैठक में बताया कि 8 से 15 जनवरी तक उपकरण प्रदर्शन होगा। साथ ही, 15 जनवरी को ही आर्मी-डे परेड एवं सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य संध्या कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सांस्कृतिक विविधता और शौर्य गाथा से संबंधित ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी 7 दिसम्बर को जेएलएन मार्ग पर ऑनर रन का भी आयोजन होगा।

बैठक में मुख्यमंत्री को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा सहित भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन हरियाणा ने सीएम के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कैथल (कृष्ण प्रजापति): दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन हरियाणा ने आज मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए नवनियुक्त पटवारियों से जुड़ी घोषणा का नोटिफिकेशन जल्द जारी करने की मांग की। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि 7 जनवरी 2025 को पंचकूला में मुख्यमंत्री द्वारा नवनियुक्त पटवारियों के लिए घोषणा की गई थी कि उनकी प्रशिक्षण अवधि को घटाकर एक वर्ष किया जाएगा

और यह अवधि सेवाकाल में शामिल की जाएगी। इसके अलावा प्रशिक्षण के दौरान पूर्ण वेतनमान दिए जाने की भी घोषणा की गई थी। एसोसिएशन ने कहा कि उक्त घोषणा को हुए अब लगभग दस महीने बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक इसका नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। इसके कारण प्रशिक्षु पटवारियों को न तो पूरा वेतनमान मिल रहा है और न ही सेवाकाल में एक वर्ष की अवधि का लाभ। इस विलंब से नव नियुक्त पटवारियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा को 10 माह बाद भी लागू न किया जाना सरकार की कार्यप्रणाली और छवि पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने बताया कि भू-अभिलेख हरियाणा द्वारा जारी पत्र क्रमांक डीएलआर/पीटीएस/2024/153 53-359 के अनुसार न तो पेपर लिए जा रहे हैं और न ही 1 अक्टूबर 2025 से तीन महीने के लिए प्रशिक्षण पटवारियों को हल्के का स्वतंत्र प्रभार दिया गया है।

एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से पुनः अनुरोध किया कि उक्त घोषणा का जल्द से जल्द नोटिफिकेशन जारी करवाया जाए, ताकि राज्यभर के पटवारी, कानूनगो और नव नियुक्त पटवारियों का सरकार पर विश्वास कायम रहे।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आर्मी डे परेड की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली। उन्होंने 15 जनवरी को परेड के आयोजन के लिए की जाने वाली तैयारियों को व्यापक और भव्य बनाने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जयपुर में आर्मी डे परेड का आयोजन होना राजस्थान और प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है।

राजकीय महाविद्यालय और हारट्रोन एडवांस्ड स्किल सेंटर के बीच हुआ एमओयू

कैथल (कृष्ण प्रजापति): डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय, कैथल में वीरवार को एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू कॉलेज और हारट्रोन एडवांस्ड स्किल सेंटर कैथल के बीच हुआ, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार भांबू और हारट्रोन एडवांस्ड स्किल सेंटर हेड डॉ. बलविंदर ढुल ने समझौते के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत हारट्रोन एडवांस्ड स्किल सेंटर, कॉलेज के विद्यार्थियों को कंप्यूटर एवं आईटी क्षेत्र से जुड़े रोजगारपरक कोर्सेज की ट्रेनिंग देगा। इसके साथ ही सेंटर में चल रहे नए एडवांस्ड कोर्सेज की जानकारी और उन पर आधारित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। समझौते का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्तमान समय और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है ताकि वे रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें या स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें। दोनों संस्थानों के बीच यह भी सहमति बनी कि कॉलेज के विद्यार्थी हारट्रोन एडवांस्ड स्किल सेंटर में इंटर्नशिप और ट्रेनिंग कर सकेंगे। साथ ही सेंटर की अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब का भी उपयोग कर पाएंगे। इसी तरह हारट्रोन के विद्यार्थी कॉलेज परिसर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। इस साझेदारी के अंतर्गत कौशल विकास कार्यशालाएं, तकनीकी जागरूकता अभियान, जॉब फेयर और प्लेसमेंट इवेंट्स का आयोजन भी नियमित रूप से किया जाएगा। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार भांबू ने कहा कि यह एमओयू कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए एक बड़ा अवसर है। इससे उन्हें व्यावहारिक ज्ञान के साथ तकनीकी दक्षता भी प्राप्त होगी, जिससे वे भविष्य में किसी भी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेंगे। सेंटर हेड डॉ. बलविंदर ढुल ने कहा कि इस साझेदारी के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीक और रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ा जाएगा।

हारट्रोन की कोशिश है कि कैथल जिला तकनीकी रूप से और अधिक सशक्त बने। इस अवसर पर कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल सुनीता अरोड़ा, प्रो. जसपाल मलिक, प्रो. कृतिका, प्रो. नवीन वर्मा, प्रो. वीरेंद्र खटकड़, प्रो. अभिषेक गोयल तथा हारट्रोन एडवांस्ड स्किल सेंटर की ओर से चीफ कोऑर्डिनेटर पंकज आत्रेय उपस्थित रहे।

स्टार प्लस ने क्योंकि सास भी कभी बहू थी के साथ #NotJustMoms कैंपेन का नया दमदार प्रोमो किया

जित मुम्बई:- टीवी की दुनिया में स्टार प्लस ने हमेशा ऐसे आइडियाज पेश किए हैं जो संस्कृति और मनोरंजन का बेहतरीन संगम दिखाते हैं। ऐसा ही एक आइकॉनिक शो है क्योंकि सास भी कभी बहू थी, जिसने लंबे समय बाद वापसी की है। यह शो एक बार फिर साबित कर रहा है कि कैसे यह अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए आज के सामाजिक मुद्दों को छूता है और बदलाव के लिए प्रेरित करता है।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी के नए प्रोमो में एक सोचने पर मजबूर करने वाला कैंपेन #NotJustMoms दिखाया गया है, जो बताता है कि बच्चों की परवरिश सिर्फ मां की जिम्मेदारी नहीं होती, बल्कि यह दोनों माता-पिता की साझा जिम्मेदारी होती है।

यह प्रोमो आज के बदलते परिवारों की हकीकत दिखाता है और एक जरूरी बात पर सोचने को मजबूर करता है। आज के समय में, जब मां और पिता दोनों हर काम में बराबर हिस्सेदारी निभाते हैं, तो बच्चों की परवरिश सिर्फ मां की जिम्मेदारी क्यों मानी जाए? प्रोमो उन आम पलों को दिखाता है, जहां माताओं पर बच्चों को संस्कार और अनुशासन सिखाने का सारा बोझ डाल दिया जाता है। आखिर में यह साफ संदेश देता है कि बच्चों की परवरिश मां और पिता दोनों की जिम्मेदारी है।

हाल ही में हुए FICCकइवेंट में स्मृति ईरानी और एकता कपूर ने ताकतवर #NotJustMoms प्रोमो पेश किया, जिसने साझा पैरेंटिंग पर एक इमोशनल और सोचने पर मजबूर करने वाली चर्चा शुरू कर दी है। स्मृति ईरानी ने कहा,ह्लहम ह्यक्योंकिह्न टीम से इस सोच का समर्थन करते हैं कि बच्चों की परवरिश सिर्फ मां की जिम्मेदारी नहीं है। अक्सर मां को बच्चे की नाकामी के लिए दोषी ठहराया जाता है, लेकिन जब वही बच्चा कुछ हासिल करता है तो उसकी तारीफ में मां का नाम नहीं लिया जाता। अगर पैरेंटिंग में बराबरी की बात करनी है, तो यही सही समय और सही कैंपेन है कि जिम्मेदारी सिर्फ मां की नहीं होती।

स्मृति ईरानी के एक बार फिर ह्यक्योंकि सास भी कभी बहू थीह्न में अपनी मशहूर भूमिका तुलसी के रूप में लौटने के साथ, यह सोच इस शो के सांस्कृतिक प्रभाव को एक बार फिर सामने लाता है और साथ ही बराबरी वाले पैरेंटिंग की अहमियत को भी मजबूती से पेश करता है।

इसी बारे में बात करते हुए स्टार प्लस के प्रवक्ता ने कहा, ह्लस्टार प्लस में हम मानते हैं कि कहानियों में बदलाव लाने की ताकत होती है। #NotJustMoms के जरिए हम उस पुराने सोच को तोड़ना चाहते हैं जिसमें माना जाता है कि सिर्फ.मां ही बच्चों की परवरिश की ज़िम्मेदारी उठाती है। तुलसी को एक नए रूप में वापस लाकर, यह ब्रांड फि ल्म पूरे भारत में बातचीत शुरू करने और परिवारों को साझा पैरेंटिंग अपनाने के लिए प्रेरित करने के मकसद से बनाई गई है।ह्व

#NotJustMoms सच में स्टार प्लस के उस विजन को दिखाता है, जो समाज में बदलाव लाने के साथ-साथ दर्शकों को भरपूर मनोरंजन देना चाहता है। ह्यक्योंकि सास भी कभी बहू थीह्न का यह सीजन सिर्फ. एक पुरानी कहानी को आगे बढ़ाना नहीं है, बल्कि उन भावनाओं, मूल्यों और सदाबहार कहानी कहने के अंदाज को सलाम है, जिसने इसे भारत की संस्कृति का एक अहम हिस्सा बना दिया।

सूबेदार सिंदर सिंह पंचतत्व में हुए विलीन, पूर्व सैनिकों ने सैन्य सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

कैथल (कृष्ण प्रजापति): भारतीय सेना के शिक्षा कोर (आर्मी एजुकेशन कॉर्प्स) के पूर्व सैनिक सूबेदार सिंदर सिंह का लंबी बीमारी के बाद 62 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने कल अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

सूचना मिलते ही पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल का प्रतिनिधिमंडल एवं आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक गांव हजवाना पहुंचकर अपने साथी को अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

पूर्व सैनिकों की ओर से हवलदार जगजीत फौजी, रिसालदार मेजर गोपीचंद, दफेदार बलदेव सिंह, सूबेदार खजाना सिंह, इंस्पेक्टर सोमदत्त शर्मा और रिसालदार कर्मबीर भाल ने उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) ओढ़ाकर उन्हें सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी।

इसके बाद सभी पूर्व सैनिक और परिजन उनकी शव यात्रा में शामिल हुए और शमशान घाट में जाकर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहां मौजूद सभी पूर्व सैनिकों, परिजनों और ग्रामीणों ने नम आंखों से अपने साथी को अंतिम विदाई दी।

पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल के प्रधान जगजीत फौजी ने सूबेदार सिंदर सिंह के पुत्र रवि प्रकाश और भाई बिरसा राम को तिरंगा भेंट किया और कहा कि सूबेदार सिंदर सिंह ने 26 वर्षों तक भारतीय सेना में सेवा कर देश का नाम रोशन किया। उनका जीवन हर सैनिक के लिए प्रेरणा है, और उनका परिवार इस बात पर गर्व कर सकता है कि उनके पूर्वज ने मातृभूमि की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया।

तत्पश्चात उनके पुत्र रवि प्रकाश ने उन्हें मुखाग्नि दी, और वे पंचतत्व में विलीन हो गए। अंतिम संस्कार के समय सूबेदार रामफल चहल, हवलदार रामेश्वर सिंह, दफेदार राममेहर सिंह, सूबेदार सुरजीत सिंह, दफेदार बलवान सिंह, दफेदार बलवंत सिंह, हवलदार पाले राम, सहित अनेक पूर्व सैनिक, ग्रामीण गणमान्य व्यक्ति एवं मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

हलेना के लालदाश मन्दिर पर कांशीराम साहब की 19 वीं पुण्यतिथि मनाई

देश का दर्पण.. दैनिक अखबार पत्रकार.,राकेश कोठेनिया हलेना

हलेना (भरतपुर) ठँ संख्या 21 जयपुर ,आगरा रोड स्थित उप तहसील हलेना के गांव तिलछिवी के पास मन्दिर पर मान्यवर कांशीराम साहब की 19 वीं पुण्यतिथि पर भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी भरतपुर द्वारा लालजी बाबा मंदिर हलैना पर आयोजित किया कार्यक्रम में शामिल होकर संगठन व पार्टी को मजबूत करने पर विचार विमर्श रखा गया जल्दी नये शिरे से संगठन को मजबूत करने का काम करने की शपथ ली कार्यक्रम में शामिल हुए रामवीर जाटोलिया,शहाबसिंह अहेरिया , इंजीनियर दिलीप सिंह mex, यादराम बौद्ध ,सोहन सिंह मिथलेश व खेमसिंह महेंद्र सिंह पूर्व चेयरमैन समस्त ग्राम वासी मौजूदगी रही।

ह्लविकास, सेवा और पारदर्शिताह्व के संकल्प के साथ राजस्थान में भाजपा सरकार कर रही है जन-कल्याण :– डॉ अरूण चतुवेर्दी

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरूण चतुवेर्दी, उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा और विधायक कुलदीप धनकड़ ने भाजपा सरकार के 20 माह बनाम पिछली कांग्रेस सरकार के 5 साल के कार्यों पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। डॉ अरूण चतुवेर्दी ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार के 20 महीनों के कार्यकाल में विकास की जो गति और सेवा की भावना देखी गई है, वह पिछली सरकार की निष्क्रियता और दावों की सच्चाई को उजागर करती है। डॉ चतुवेर्दी ने बताया कि भजनलाल सरकार का सेवा और जन-संपर्क अभियान अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहा। सरकार बनने के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में जहाँ कानूनी व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई थी, वहीं आज प्रदेश में शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही देखने को मिल रही है।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरूण चतुवेर्दी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण सेवा शिविर और शहरी सेवा शिविर लगाए गए। इनमें लाखों नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर गांधी एवं लाल बहादुर जयंती तक सेवा पखवाड़े के रूप में मनाया गया। शिविरों में भूमि संबंधी विवाद, नामांतरण, जाति प्रमाण पत्र, पेंशन, और जन आधार से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निपटारा हुआ। इसके साथ ही सरकार ने 2 अक्टूबर से सहकारी सदस्यता अभियान शुरू किया, जिससे सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता आई और आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ी। कांग्रेस के शासन में सहकारिता पर कुछ गुटों का नियंत्रण था, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार ने नियमों को सरल कर लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित करने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने भाजपा सरकार के 20 माह और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के 5 साल के कार्यो पर आंकडे रखें और भाजपा की कार्यशैली स्पष्ट की। डॉ बैरवा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने 20 महीनों में कई ऐसे कार्य किए हैं, जो पिछली कांग्रेस सरकार अपने पूरे 5 सालों में भी नहीं कर पाई। पाइपलाइन वितरण के मामले में भी भाजपा ने 77519 किसानों को अनुदान दिया, जबकि कांग्रेस सरकार केवल 41,685 किसानों को ही लाभान्वित किया।भाजपा ने 59.25 लाख महिला कृषकों को बीज मिनी किट वितरित किए, जबकि पिछली सरकार ने महज 16.66 लाख महिलाओं को यह सुविधा दी।

उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि भजनलाल सरकार ने सहकारी बैंकों के माध्यम से 42,394 करोड़ का ऋण वितरित किया, जो पिछली सरकार की तुलना में लगभग दोगुना है। इसी तरह शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 66,695 मकानों का निर्माण भाजपा सरकार ने केवल 20 महीनों में पूरा कर लिया, जबकि कांग्रेस सरकार 5 वर्षों में सिर्फ 4,636 मकान ही बना सकी। गत शासन की तुलना में 15 गुना अधिक है। बिजली उत्पादन क्षमता में भी भाजपा सरकार ने 4,955 मेगावाट की वृद्धि की, जो कांग्रेस की 3,952 मेगावाट की वृद्धि से अधिक है। नवकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भाजपा सरकार ने 34284 हेक्टेयर भूमि अवंटन किया, जो कांग्रेस सरकार के 22,597 हेक्टेयर भूमि आवंटन से अधिक है।

पुष्कर क्षेत्र में विकसित होंगे स्मार्ट गांव - जल संसाधन मंत्री

जयपुर, 9 अक्टूबर। राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने गुरुवार को अजमेर जिले के पुष्कर में ग्राम पंचायत भूडोल एवं रसूलपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में 394.41 रुपए लाख रुपए की लागत से पूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव को चिकित्सा, शिक्षा, स्वच्छता, रोजगार और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्मार्ट गांव बनाना राज्य सरकार का संकल्प है। विकास के हर कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जनभागीदारी सुनिश्चित करना मेरी प्राथमिकता है।

बनाएंगे स्मार्ट गांव–

श्री रावत ने कहा कि राज्य सरकार गांव-गांव तक विकास की रोशनी पहुंचा रही है। प्रत्येक परिवार को शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और डिजिटल सुविधा उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। भूडोल और रसूलपुरा जैसे गांव अब विकास की नई पहचान बन रहे हैं। जनता के विश्वास और सहयोग से विकसित पुष्कर का सपना शीघ्र साकार होगा।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य श्री श्रवण सिंह रावत ने कहा कि श्री सुरेश सिंह रावत के नेतृत्व में पुष्कर क्षेत्र निरंतर विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। गांवों से लेकर शहर तक हर स्तर पर सेवा, सुविधा और समर्पण का संगम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

श्री रावत ने ग्राम पंचायत भूडोल क्षेत्र में 136.63 लाख रुपए की लागत से पूर्ण 17 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें आयुष्मान आरोग्य केन्द्र लाडपुरा का निर्माण 25 लाख रुपए की लागत से, उप स्वास्थ्य केन्द्र लाडपुरा चारदीवारी का 5.65 लाख रुपए, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भूडोल में दो कक्षा कक्ष 20 लाख रुपए, लाडपुरा खेल मैदान चारदीवारी 15 लाख रुपए तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में लाइब्रेरी कक्ष का निर्माण 16 लाख रुपए की लागत से किया गया है।

इसके अलावा खोडा माता मंदिर के पास ट्यूबवैल निर्माण 1.98 रुपए लाख, कचरा संग्रहण केन्द्र 10 लाख रुपए, लाडपुरा चौराहा बरामदा सुधार एक लाख रुपए, आईटी सेंटर दीवार निर्माण 3 लाख रुपए, श्मशान घाट विश्राम स्थली

आर्मी-डे परेड की तैयारियां कार्ययोजना के अनुरूप करें पूर्ण– आमजन देखेंगे आर्मी के शौर्य और बलिदान की गाथा - मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 09 अक्टूबर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी 15 जनवरी को भारतीय थल सेना द्वारा जयपुर में आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जाएगा। इस सम्पूर्ण आयोजन के माध्यम से आमजन को भारतीय थल सेना के शौर्य और बलिदान के गौरवशाली इतिहास को जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आर्मी-डे परेड का आयोजन भव्य और व्यापक रूप से किया जाएगा।

श्री शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह परेड भारतीय थल सेना और उसके वीर सैनिकों के पराक्रम और वीरता को प्रदर्शित करेगी। प्रशासन और अधिकारी इस आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों को समय से पूर्ण करने के लिए सैन्य अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने जयपुर जिला कलक्टर को जगतपुरा के महल रोड पर आर्मी-डे परेड से संबंधित सभी तैयारियां समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड में शामिल होने वाले विशिष्ट गणमान्य, सैन्य अधिकारी और शहीदों के परिजनों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। उन्होंने पुलिस आयुक्त, जयपुर को परेड स्थल पर पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था के उचित प्रबंधन के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड और इससे संबंधित अन्य आयोजनों को देखकर विशेष रूप से युवाओं में देश भक्ति की भावना और अधिक प्रबल होगी।

8 से 15 जनवरी तक होगा उपकरण प्रदर्शन

थल सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बैठक में बताया कि 8 से 15 जनवरी तक उपकरण प्रदर्शन होगा। साथ ही, 15 जनवरी को ही आर्मी-डे परेड एवं सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य संध्या कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सांस्कृतिक विविधता और शौर्य गाथा से संबंधित ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा।

नदबई में नकली सरसों बीज का बड़ा खुलासा, पुलिस ने की कार्रवाई

देश का दर्पण.दैनिक अखबार पत्रकार. राकेश कोठेनिया

भरतपुर... जिले के नदबई क्षेत्र में बुधवार शाम पुलिस ने नकली सरसों बीज बेचने के मामले में बड़ी कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, सीओ अमर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में नदबई पुलिस ने हलैना फाटक स्थित लवानिया खाद बीज भंडार पर छापा मारा। पुलिस ने छापे के दौरान पायोनियर कंपनी के लगभग 90 पैकेट नकली सरसों बीज बरामद किए। जांच में सामने आया कि पैकेटों पर कंपनी का नाम और लोगो जरूर लगा था, लेकिन सील और पैकिंग पूरी तरह नकली थी। सीओ अमर सिंह राठौड़ ने बताया कि पायोनियर कंपनी के प्रतिनिधि ने बोगस ग्राहक बनकर दुकान से बीज खरीदे। जांच में पुष्टि हुई कि व्यापारी नकली बीज को असली बताकर किसानों को बेचने की तैयारी में था। यदि ये बीज बाजार में पहुंच जाते, तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता था। पुलिस ने सभी पैकेट जब्त कर मामले की आगे की जांच शुरू की

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से महाराष्ट्र के प्रवासी राजस्थानियों ने की मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर महाराष्ट्र से आए ह्यराजस्थान प्रकोष्ठह्न के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान एवं महाराष्ट्र के मध्य सामाजिक एवं आर्थिक एक्सचेंज प्रोग्राम सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में प्रचुर मात्रा में सौर ऊर्जा, खनिज सम्पदा का भंडार, बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता और निवेश अनुकूल नीतियां है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से इस निवेश-परक वातावरण का लाभ उठाते हुए प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को उद्यम स्थापित करने में हरसंभव मदद करेगी। इस दौरान श्री शर्मा ने आगामी 10 दिसम्बर को प्रस्तावित ह्यप्रवासी राजस्थानी दिवसह्न के लिए प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर ह्यराजस्थान प्रकोष्ठह्न के अध्यक्ष श्री संजय मंत्री, श्री नंदकिशोर मालपानी सहित विभिन्न प्रवासी राजस्थानी मौजूद रहे।

आर .के .एस .डी . कॉलेज में करवा चौथ के उपलक्ष्य में करवा उत्सव का भव्य आयोजन

कैथल (कृष्ण प्रजापति): आर.के.एस.डी. कॉलेज की महिला प्रकोष्ठ द्वारा करवा चौथ के अवसर पर कॉलेज परिसर में करवा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं और कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम से पूर्व छात्राओं के साथ विकसित होते रीति-रिवाज : वर्तमान समय में करवा चौथ की व्याख्या विषय पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें छात्राओं ने बदलते सामाजिक परिवेश में करवा चौथ के महत्व पर अपने विचार सांझा किए।

उत्सव के तहत आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता में लगभग 35 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने पारंपरिक एवं आधुनिक डिजाइनों से प्रेरित सुंदर और जटिल मेहंदी डिजाइनों के माध्यम से अपनी सृजनात्मकता का प्रदर्शन किया। पूरे परिसर में भारतीय संस्कृति की झलक और उत्सव का उल्लासपूर्ण माहौल देखने को मिला।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल डॉ. सीमा गुप्ता, डॉ. गीता गोयल, डॉ. मंजुला गोयल, डॉ. शिल्पी अग्रवाल, डॉ. अलीशा गोयल और डॉ. रितु कांग द्वारा किया गया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की कलात्मकता और सूक्ष्मता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विजेता छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सोनिया कौर ने मिस और मधु सिंह ने मिसेज "वीईसी क्वीन ऑफ इंडिया 2025" का टाइटल जीता

अजय सिंह (चिंटू)

जयपुरझ्र गुलाबी नगरी जयपुर में वेस्ना इवेंट क्राफ्ट्स द्वारा कल देर रात को आयोजित वीईसी क्वीन ऑफ इंडिया 2025 मिस और मिसेज सीजन 2 के फिनाले में एक बार फिर देखने को मिला भारत की समृद्ध संस्कृति, आधुनिक फैशन, परंपरा, शैली, सौंदर्य और महिला सशक्तिकरण का संगम । कूकस स्थित ब्यूना विस्टा लक्जरी रिसॉर्ट में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य जज थीं नब्बे के दशक की फेमस बॉलीवुड अभिनेत्री नीलम कोठारी सोनी।

कार्यक्रम की फाउंडर और सीईओ मुस्कान गैरोला ने बताया कि इस सीजन का उद्देश्य महिलाओं को उनके आत्मविश्वास, बुद्धिमत्ता और सामाजिक ज़िम्मेदारी को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। हर महिला अपने आप में एक क्वीन है–यह मंच उन्हें वह पहचान देता है जिसकी वे हकदार हैं। यह सिर्फ. सुंदरता का ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और उद्देश्य का भी जश्न है।

इस आयोजन के फैशन, मेकअप, ग्रूमिंग के सपोर्टिंग पाटनर्स–लैक्मे एके-डमी बाय एप्टेक, कैटालिटिस, स्टूडियो जे सैलून, ओरेन इंटरनेशनल, राजस्थान रूट्स, वंदना ट्रैवल्स, द कॉन्फिडेंस कलेक्टिव, लेबल कीर्ति सिंह, शाइ स्टाइल बाय सायशा राजपूत, एज टॉक्स, मैट्रिक्स फिल्म्स, एडोनिस, शक्ति फाउंडेशन और द अर्थ सेवियर फाउंडेशन रहे रहे।

वन राज्यमंत्री श्री संजय शर्मा ने राष्ट्र स्तरीय पर्यावरण जागरूकता एवं ट्रेकिंग शिविर के समापन समारोह में की शिरकत

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने आज नजर बगीची में आयोजित राष्ट्र स्तरीय पर्यावरण जागरूकता एवं ट्रेकिंग शिविर के समापन समारोह में शिरकत कर आमजन से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक पौधारोपण कर करने की अपील की। उन्होंने शिविर में सहयोग करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

वन राज्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सेवा ही धर्म की भावना को बढाने के उद्देश्य से स्थापित भारत स्काउट गाइड बच्चों के चरित्र निर्माण व देश भक्ति की भावना विकसित करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में आपदा की स्थिति में स्काउट गाइड के स्वयंसेवक अपने नारे ह्यसदैव तत्पर-तैयार रहोह्य को चरितार्थ करते हुए आपदा प्रबंधन में आगे बढकर महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन की समस्या से जूझ रहे है, जिसके दृष्टिगत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ह्यएक पेड मां के नामह्न अभियान शुरू किया है, जो जन-जन का अभियान बनकर उभरा है। इसी अभियान से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में प्रारम्भ किए गए हरियालो राजस्थान अभियान के तहत विगत वर्ष साढे सात करोड पौधे लगाकर माई भारत पोर्टल पर मय फोटो अपलोड किए तथा इस वर्ष 10 करोड पौधे लगाने के लक्ष्य को अर्जित करते हुए प्रदेश में साढे ग्यारह करोड पौधे लगाकर हरियालो राजस्थान ऐप पर मय फोटो अपलोड किए गए हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक पौधारोपण कर उनका संरक्षण भी करें।

उन्होंने नजर बगीची स्थित भारत स्काउट गाइड कार्यालय में मंच को कवर कराने एवं बैठने की व्यवस्था के लिए 10 लाख रुपए विधायक निधि कोष से देने की घोषणा की। साथ ही परिसर में पर्यावरण अनुकूल हट बनवाने का भी आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

भारत स्काउट गाइड के निदेशक श्री राजकुमार कौशिक ने भारत स्काउट गाइड के गठन, इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से अवगत कराया। ट्रेकिंग शिविर प्रभारी भारत स्काउट गाइड के उप निदेशक श्री अनलेन्द्र शर्मा ने शिविर के दौरान पर्यावरण संरक्षण के विषय पर की गई ट्रेकिंग के अनुभवों के बारे में अवगत कराया।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के चेयरपर्सन तथा उहउ सदस्य श्री पवन खेड़ा जी आज दोपहर 1:15 पर पूर्व सांसद स्वर्गीय श्री अश्क अली टाक जी को उनके विद्याधर नगर स्थित आवास पर श्रद्धांजलि देने जाएंगे।

चाकू घोपकर युवती की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के कोटला मुबारकपुर इलाके में मंगलवार रात एक 25 वर्षीय युवती का खून से लथपथ शव मिला। जानकारी के अनुसार रात करीब 9:19 बजे पुलिस को पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी कि कॉलर के मकान में रहने वाली किरायेदार महिला का झगड़ा हो गया है। सीढ़ियों पर खून के निशान पड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां पहुंचने पर देखा गया कि मकान का दरवाजा बाहर से कुंडी लगा हुआ था। जब पुलिस ने अंदर जाकर जांच की तो कमरे में एक महिला का शव फर्श पर पड़ा मिला। जांच में मृतका की पहचान मस्जिद मोठ, एंड्रयूजगंज निवासी साक्षी(25) के रूप में हुई। पुलिस अधिकारी के अनुसार मौके पर क्राइम टीम और एफएसएल टीम को बुलाकर जांच कराई गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतका अपने किसी परिचित व्यक्ति के साथ थी, जिसके साथ झगड़े के दौरान आरोपित ने चाकू से चेहरे और गले पर वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से कई अहम सुराग मिले हैं। आरोपित की पहचान कर उसकी तलाश जारी है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

सोते पति पर खौलता तेल डाला, लाल मिर्ची छिड़की, मामला दर्ज

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के अंबेडकर नगर इलाके में सो रहे युवक पर पत्नी ने पहले खौलता तेल डाला। इसके बाद लाल मिर्ची पाउडर उसके जख्मों पर छिड़क दिया। दर्द से चिल्ला रहे युवक की आवाज सुनकर मकान मालिक कमरे में पहुंचे, जिसके बाद युवक को पहले मदन मोहन मालवीय अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत बिगड़ती देख उन्हें डॉक्टरों ने सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। आईसीयू में भर्ती युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। जांच में घायल की पहचान दिनेश कुमार (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने घायल के बयान पर तीन अक्टूबर को केस दर्ज किया था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि दिनेश कुमार परिवार के साथ मदनगीर स्थित किराए के मकान में रहते हैं। परिवार में पत्नी व एक छोटी बेटी है। दिनेश एक फार्मा कंपनी में काम करते हैं। पुलिस को दिए बयान में उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर को ड्यूटी से आकर वह खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। पास में ही उनकी बेटी और पत्नी भी सो रही थी। अचानक देर रात 3.15 पर उनके शरीर में जलन होने पर आंख खुल गई। उन्होंने देखा कि उनके ऊपर पत्नी ने खौलता हुआ गर्म डाल दिया था। वह हाथ में लाल मिर्च पाउडर लेकर खड़ी थी। पत्नी ने कहा कि अभी तो गर्म तेल ही डाला है। अब लाल मिर्ची पाउडर भी डालूंगी। इतना कहकर उसने उनके शरीर पर गर्म तेल की वजह से बने घाव पर लाल मिर्ची छिड़क दी। दर्द से चिल्ला रहे दिनेश की आवाज सुनकर नीचे से मकान मालिक ऊपर आए।

कार्यक्रमों के सुरक्षित संचालन को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रॉक्टर कार्यालय ने सभी केंद्रों, कॉलेजों, छात्रावासों और संस्थानों में कार्यक्रमों, सभाओं और समारोहों के सुरक्षित, सुचारू और व्यवस्थित संचालन के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की। यह एडवाइजरी दिल्ली उच्च न्यायालय के 10 नवंबर, 2023 के आदेशों, डीयू प्रॉक्टर कार्यालय की 11 जनवरी, 2024 की सलाह और दिल्ली पुलिस की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुपालन में जारी की गई है। एडवाइजरी के अनुसार विश्वविद्यालय ने उत्तरी और दक्षिणी परिसरों के लिए अलग-अलग समर्पित संपर्क अधिकारी (एलओ) नियुक्त करने का प्रावधान किया है, जो दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय करेंगे। इसमें कहा गया है प्रत्येक कॉलेज और संस्थान को भी हर कार्यक्रम के लिए एक संपर्क अधिकारी नियुक्त करना होगा, जो कार्यक्रम के दौरान उपलब्ध रहेगा और पुलिस को समय, प्रकृति, अपेक्षित भीड़, वीआईपी उपस्थिति, प्रवेश के तरीके और प्रति घंटा अपडेट जैसी जानकारी साझा करेगा। कॉलेजों और छात्रावासों को प्रत्येक प्रमुख कार्यक्रम के लिए सोशल मीडिया परामर्श जारी करने का निर्देश दिया गया है। इसमें कार्यक्रम का समय, प्रकृति, प्रवेश आवश्यकताएं, यातायात व्यवस्था और प्रवेश द्वार स्पष्ट हों। इसके अलावा प्राथमिक चिकित्सा दल, स्थिर एम्बुलेंस, अग्नि सुरक्षा उपाय और आपातकालीन व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

द्वारका जिला पुलिस ने सितंबर माह में 14 अवैध विदेशी नागरिकों को पकड़ा

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने इस साल सितंबर माह में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 14 विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में ठहरने के आरोप में गिरफ्तार कर वापस भेजा है। इनमें नाइजीरिया के 11, आइवरी कोस्ट के 2 और बांग्लादेश के 1 नागरिक शामिल हैं। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि द्वारका जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल, मोहन गार्डन थाना, एएटीएस, द्वारका सेक्टर-23 थाना और डाबड़ी थाना की संयुक्त टीमों ने यह अभियान चलाया था। अभियान के दौरान नौ विदेशी नागरिकों को एंटी नारकोटिक्स सेल, 2 को मोहन गार्डन, एक को एएटीएस, एक को द्वारका सेक्टर-23 और एक को डाबड़ी थाना पुलिस ने पकड़ा। पुलिस टीमों ने क्षेत्र में रह रहे उन विदेशी नागरिकों पर निगरानी बढ़ाई थी, जो बिना वैध वीज़ा या परमिट के देश में रह रहे थे। जांच के दौरान यह पाया गया कि सभी 14 व्यक्ति या तो वीज़ा की अवधि समाप्त होने के बाद भी ठहरे हुए थे या अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर चुके थे।

छोटे उद्यमियों को बिना गिरबी रखे मिल सकेगा व्यापार के लिए कर्ज- रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। सूक्ष्म और लघु उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए दिल्ली सरकार और क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (सीजीटीएमएसई) के बीच सहयोग की मंजूरी दी गई है। इस साझेदारी का उद्देश्य छोटे उद्यमियों को कुछ भी गिरवी रखे बिना ऋण प्राप्त करने में मदद देना और बैंकों का जोखिम कम करके उन्हें अधिक ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहा कि यह साझेदारी दिल्ली के आर्थिक विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगी। इससे हजारों उद्यमियों को कर्ज प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि इस योजना के तहत छोटे उद्यमियों को बिना किसी संपत्ति की गिरवी के ऋण प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। इस योजना में ऋण गारंटी का प्रावधान दिल्ली

सरकार और सीजीटीएमएसई के बीच साझा रूप से किया गया है। प्रस्तावित गारंटी संरचना के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के उधारकर्ताओं को अधिकतम 95 प्रतिशत तक की गारंटी कवरेज प्रदान की जाएगी। अब लघु उद्यमों के लिए 0 से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 75 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 20 प्रतिशत की कवरेज दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। महिला उद्यमियों और अग्निवीरों द्वारा प्रोत्साहित एमएसई के लिए 0 से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 90 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 5 प्रतिशत दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। अब माइक्रो श्रेणी के अंतर्गत 0 से 5 लाख रुपये तक के ऋण पर 85 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 10 प्रतिशत कवरेज दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके अलावा पांच लाख रुपये से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 75 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 20 प्रतिशत दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। इस तरह सभी पर कुल कवरेज 95 प्रतिशत हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने इस निर्णय की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि सीजीटीएमएसई की स्थापना वर्ष 2000 में केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय तथा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा की गई थी। यह संस्था छोटे उद्यमों को बिना कुछ गिरवी रखे कर्ज दिलाने के लिए बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को गारंटी प्रदान करती है। वर्तमान में सीजीटीएमएसई देशभर में 276 सदस्य ऋण संस्थानों के साथ कार्य कर रही है। इसका कुल गारंटी पोर्टफोलियो 9.34 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है। वित्त वर्ष 2025 में ही इस संस्था ने 27 लाख ऋण खातों की गारंटी जारी की हैं, जिनकी कुल राशि 3.05 लाख करोड़ रुपये रही।

दिल्ली विश्वविद्यालय के जॉब मेले में जुटी 61 कंपनियां

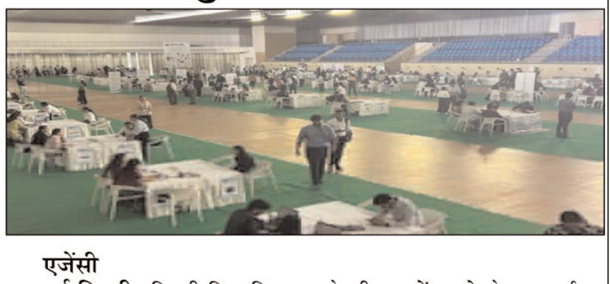

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेल्फेयर कार्यालय के तत्वावधान में केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने जॉब मेला, प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप मेले का आयोजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय खेल परिसर में आयोजित इस जॉब मेले में 61 कंपनियों ने भाग लिया जिनमें 47 कंपनियां ऑफलाइन और 14 कंपनियां ऑनलाइन जुड़ी। जॉब मेले में पांच हजार से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकृत किया। इस अवसर पर शिक्षा, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, बीमा, व्यवसाय संचालन, विपणन, बिक्री, इंजीनियरिंग और अन्य सेवा उद्योगों में 1500 से अधिक नौकरी और इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध हुए। डीन स्टूडेंट्स वेल्फेयर प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी ने बताया कि प्रमुख भर्तीकर्ताओं में मुथूट फाइनेंस, एक्सिस आईआईटी एवं नीट, बजाज कैपिटल, पीसीआई इंडिया, स्टबबोर्न फैक्ट्री और बजाज आलियांज शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शाम तक, विभिन्न कंपनियों द्वारा 1200 से अधिक छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जा चुका है।

सीजेआई पर जूता फेंकने की घटना पर अरविंद केजरीवाल ने कहा- दोषियों को मिले कड़ी सजा

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उच्चतम न्यायालय में न्यायमूर्ति बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर पर नरमी न बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं को यदि अनदेखा किया गया, तो सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था की प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिह्न लग सकता है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशन मीडिया एक्स पर कहा कि यदि देश की सर्वोच्च पीठ में विराजमान न्यायमूर्ति पर इस प्रकार का आक्रमण करने वाले को दंड नहीं दिया गया, तो अन्य न्यायाधीशों की सुरक्षा का क्या होगा। यह न्यायपालिका के लिए एक गंभीर संकेत है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति गवई ने इस घटना के उपरांत कोई कठोर कार्रवाई नहीं करने का जो निर्णय लिया, वह उनकी उदारता को दर्शाता है, परन्तु ऐसी घटनाओं को केवल सहिष्णुता के रूप में देखना उचित नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि जो लोग सोशल मीडिया पर न्यायमूर्ति गवई का मजाक उड़ा

रहे हैं अथवा उन्हें धमकाने का प्रयास कर रहे हैं, उनका उद्देश्य सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था को भयभीत करना है। ऐसे सभी व्यक्तियों के विरुद्ध विधि के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जूता फेंकने का प्रयास करने वाले व्यक्ति और न्यायपालिका के विरुद्ध सोशल मीडिया पर अपमानजनक कथन करने वालों को ऐसा दंड दिया जाना चाहिए जिससे कोई भी भविष्य में न्यायालय से छेड़छाड़ की हिम्मत न करे। यह न्याय के मंदिर की रक्षा का विषय है। उल्लेखनीय है कि, 6 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय की प्रथम पीठ में एक याचिका पर सुनवाई के समय 71 वर्ष के अधिवक्ता राकेश किशोर ने न्यायमूर्ति बीआर गवई की ओर जूता फेंकने का प्रयास किया। यह याचिका खजुराहो मंदिर में भगवान विष्णु की खंडित प्रतिमा की पुनर्स्थापना से संबंधित थी।

वीरेंद्र सचदेवा ने आआपा पर लगाए हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले 11 वर्षों में आम आदमी पार्टी (आआपा) ने हिंदुओं के त्योहारों में बाधा डालकर और धार्मिक भावनाओं को आहत करके सत्ता का दुरुपयोग किया है। यह आरोप भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने लगाया। वीरेंद्र सचदेवा ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर हिंदुओं की परंपराओं का अपमान किया गया, जबकि छठ पूजा जैसे महापर्व को यमुना नदी किनारे मनाने से रोककर लाखों पूर्वांचलियों की आस्था को ठेस पहुंचाई।

सचदेवा ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता परंपराओं का सम्मान बनाए रखते हुए प्रदूषण नियंत्रण का संतुलन है। उन्होंने कहा कि प्रमाणित ग्रीन पटाखों के उपयोग से न तो प्रदूषण बढ़ेगा और न ही धार्मिक भावनाएं आहत होंगी।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय से ग्रीन पटाखे चलाने की

अनुमति देने की मांग की है पर इस पर सर्वोच्च न्यायालय जो भी फैसला देगा उसका भाजपा सरकार एवं दिल्ली की जनता सम्मान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि दिल्लीवासी इस बार स्वच्छ, सुरक्षित वातावरण में खुशियों भरी जगमगाती दीवाली मना सकें। परंपराओं का सम्मान और प्रदूषण की रोकथाम, दोनों भाजपा की प्रतिबद्धता हैं। उन्होंने आआपा को चेतावनी दी कि ग्रीन पटाखों के प्रस्ताव में भी राजनीति करने की बजाय प्रदूषण के असली कारणों जैसे पराली जलाना और सड़क निर्माण पर ध्यान दें।

दिल्ली में गोगी गैंग पर शिकंजा: दो बदमाश गिरफ्तार, अवैध हथियार और पाकिस्तानी कनेक्शन का खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली । बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने गोगी गैंग गिरोह के दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों की पहचान ऋतिक उर्फ बॉम्ब (22) और चंदन (19) के रूप में हुई है। जो दोनों कापसहेड़ा इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और एक सफेद आई 20 कार बरामद की है। दोनों के खिलाफ पहले भी कई संगीन मामले दर्ज हैं। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बुधवार को बताया कि दो अक्टूबर को दशहरा के दिन संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस टीम को बिना नंबर प्लेट की एक सफेद कार संदिग्ध हालत में घूमती दिखाई दी। पुलिस ने जब वाहन को रुकने का इशारा किया तो कार सवार भागने लगे।

पुलिस ने पीछा कर कार को रोक लिया और दो आरोपितों को मौके से दबोच लिया। जबकि तीन अन्य फरार हो गए। तलाशी में ऋतिक और चंदन के पास से अवैध हथियार मिले, जिसके बाद इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। पूछताछ में ऋतिक ने कबूला कि वह पहले कुख्यात अपराधी राजेश भारती की क्रांति गैंग का सदस्य था और उसके मारे जाने के बाद उसने सोनू खारकरी और गोगी गिरोह के लिए काम करना शुरू कर दिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि ऋतिक केवल हथियारबंद अपराधों में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान से चल रहे साइबर क्राइम नेटवर्क से भी जुड़ा हुआ था। वह पाकिस्तान में बैठे ठगों के लिए भारतीय यूपीआई आईडी के जरिये क्रिप्टो करेंसी में लेनदेन करवाता था। बदले में उसे हर ट्रांजैक्शन पर पांच प्रतिशत कमीशन मिलता था। ऋतिक के मोबाइल फोन से छह पाकिस्तानी नंबर (+92 सीरीज) और तीन अकाउंट्स की जानकारी मिली है। पुलिस का कहना है कि यह नेटवर्क फर्जी लोन ऐप्स के जरिये भारतीय नागरिकों से पैसे ठगता था और फिर उन्हीं पैसों को क्रिप्टो करेंसी में बदलकर विदेश भेजता था। पीड़ितों से वसूले गए पैसों को ऋतिक के दिए गए यूपीआई आईडी में जमा कराया जाता था। जिसके बदले में वह पाकिस्तानी हैंडलर्स के खातों में क्रिप्टो करेंसी ट्रांसफर कर देता था। दोनों आरोपितों को अदालत में पेश कर पांच दिन की पुलिस रिमांड ली गई है। इस दौरान पुलिस ने कापसहेड़ा और आसपास के इलाकों में छापेमारी की।

देश में एक नई तरह की तानाशाही का खतरा मंडरा रहा है : गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली। आज लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे देश में एक नई तरह की तानाशाही का खतरा मंडरा रहा है। यह बातें आम आदमी पार्टी (आआपा) के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने कही। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर आयोजित सम्पूर्ण क्रांति राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने देशवासियों से लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की। इस मौके पर गोपाल राय ने कहा कि 50 साल पहले जयप्रकाश नारायण ने सत्ता की तानाशाही के खिलाफ क्रांति का आह्वान किया था। उनके नेतृत्व में छात्र-युवा आंदोलन ने तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंका और देश में लोकतंत्र की स्थापना की। जयप्रकाश नारायण की विरासत का उल्लेख करते हुए राय ने जोर दिया कि मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए उनके

संघर्ष से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण के विचारों को अपनाकर लोकतंत्र को मजबूत करना होगा और तानाशाही ताकतों के खिलाफ एकजुट होना होगा। उन्होंने लोकतंत्र को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया।

ठगी के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन नौकरी घोटाले का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने पांच स्मार्टफोन, दस बैंक पासबुक, चौदह चेकबुक और पांच लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों का एक चीनी नागरिक के साथ सीधा संपर्क था, जो टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए इस घोटाले को अंजाम दे रहा था।

पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त दाराडे शरद भास्कर ने बुधवार को बताया कि 11 सितंबर को तिलक नगर की रहने वाली एक नर्स ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पेज एलोस12 पर पार्ट-टाइम नौकरी के विज्ञापन देखकर एक टेलीग्राम ग्रुप में शामिल हुई थी। वहां उन्हें आकर्षक रिटर्न के वादे के साथ टास्क-बेस्ड नौकरियों में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया और उनसे 15.94 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। शिकायत के आधार पर साइबर थाना में मामला दर्ज किया गया। साइबर पुलिस की एक टीम ने जांच शुरू की। इंस्टाग्राम और टेलीग्राम चैनलों का तकनीकी विश्लेषण करने और धन के लेन-देन की जांच के बाद पता चला कि ठगी की राशि मुख्य रूप से आरोपित सब्बीर अहमद से जुड़े बैंक खातों में स्थानांतरित की गई थी। इन खातों से नागरिक के संपर्क में आया। चीनी नागरिक ने उसे ठगी की राशि प्राप्त करने के लिए भारतीय बैंक खाते जुटाने का काम सौंपा। जिसके बदले उसे पांच प्रतिशत कमीशन मिलता था। दिलशाद और सरफराज मिलकर बैंक खाते जुटाते थे। ठगी की राशि

राशि चेक के जरिए निकाली जा रही थी। पुलिस ने उत्तम नगर में छापेमारी कर सब्बीर अहमद को गिरफ्तार किया। बैंक की सीसीटीवी फुटेज से दो अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता का पता चला, जिसके बाद बटला हाउस में छापेमारी कर सरफराज और दिलशाद को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दिलशाद ने बताया कि वह टेक्नो सेवी है और लगभग एक साल पहले टेलीग्राम के जरिए एक चीनी निकालते थे, और उसे यूएसडीटी (क्रिप्टोकरेंसी) में बदलकर चीनी नागरिकों को डिसेंट्रलाइज्ड एक्सचेंज वॉलेट के जरिए भेजते थे। सब्बीर अहमद एक प्रतिशत कमीशन पर नकदी निकालने में मदद करता था। पूछताछ में पता चला कि आरोपित सब्बीर पेशे से पेंटर, दिलशाद स्नातक का छात्र है, सरफराज जो इस गिरोह को संभाल रहा था एमबीए का छात्र है।

करवाचौथ पर निगम मुख्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में करवाचौथ के पावन पर्व के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में निगम की महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर गीत-संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से करवाचौथ के पर्व की सांस्कृतिक गरिमा और सामाजिक महत्व को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा की करवाचौथ केवल एक व्रत नहीं, बल्कि यह हमारे पारिवारिक मूल्यों, प्रेम, समर्पण और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखते हैं और कार्यस्थल पर सकारात्मक एवं पारिवारिक वातावरण को प्रोत्साहित करते हैं।इस अवसर पर स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति की अध्यक्ष रेखा रानी के साथ ही निगम की अनेक महिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहीं। सत्या शर्मा ने उपस्थित सभी

महिलाओं को करवाचौथ की शुभकामनाएं देते हुए कहा की त्योहार हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने का माध्यम हैं। इस प्रकार के आयोजनों से कार्यस्थल पर भी त्योहारों की उमंग और आपसी सहयोग की भावना बनी रहती है।

28 अवैध प्रवासी पकड़े गए, पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा से हुए थे देश में दाखिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने राजधानी में अवैध रूप से रह रहे 28 बांग्लादेशी प्रवासियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बढ़ती अवैध प्रवास की चिंताओं को देखते हुए की गई, जिसमें बिना वैध दस्तावेज के रह रहे लोगों की पहचान और निर्वासन पर जोर दिया गया। पुलिस उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई का रही है।

इन अवैध प्रवासियों को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में झुग्गी-झोपड़ियों, श्रमिक शिविरों और अनधिकृत कॉलोनियों से पकड़ा गया। पुलिस ने स्थानीय मुखबिरों की मदद से खुफिया जानकारी जुटाई और अवैध तरीके से भारत आने वाले रास्तों की पहचान की। अभियान का नेतृत्व एसआई कवलजीत और एएसआई बृजेश ने किया, जिनके साथ हेड कांस्टेबल वेदप्रकाश, अरुण, मोहित, राजेश और ज्योति बंसल ने जमीनी स्तर पर काम किया।टीम ने फील्ड इंटेलिजेंस, मुखबिर नेटवर्क और स्थानीय पूछताछ का सहारा लिया। सत्यापन अभियान चलाकर कड़ी निगरानी की गई, जिसके बाद 28 लोगों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में पता चला कि ये पश्चिम बंगाल की

खुलना सीमा से अवैध तरीके से भारत में दाखिल हुए थे और उनके साथ कई अन्य अज्ञात लोग भी शामिल हो सकते हैं। इनमें से किसी के पास भी वैध यात्रा या रहने का दस्तावेज नहीं था। गिरफ्तार किए गए सभी प्रवासियों को अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ये लोग अकुशल मजदूर हैं जो कूड़ा बीनने, खेतिहर काम या अनौपचारिक व्यवसायों में लगे थे। पुलिस का कहना है कि ये लोग देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा बन सकते हैं। अब तक दक्षिण पूर्व जिला पुलिस ने कुल 235 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को निर्वासित किया है। वहीं, अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी, ताकि राष्ट्रीय राजधानी में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा सके। स्थानीय लोगों से भी सहयोग की अपील की गई है, ताकि संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दी जा सके।

कंझावला में चल रही फर्जी इंजन ऑयल फैक्टरी का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजधानी में नकली इंजन ऑयल बनाने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। कंझावला इंडस्ट्रियल एरिया में चल रही इस अवैध फैक्टरी पर छापेमारी कर पुलिस ने 2,600 लीटर नकली इंजन ऑयल, मशीनें और पैकेजिंग सामग्री बरामद की है। बरामद माल की कीमत करीब 15 लाख आंकी गई है। पुलिस ने इस संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो भाई सक़लैन अहमद उर्फ प्रिंस और सोहिद उर्फ अल्लू मुख्य साजिशकर्ता हैं। पकड़े गए अन्य आरोपितों की पहचान शकीलुद्दीन उर्फ शकील, शान मोहम्मद और मोहम्मद सलमान के रूप में हुई है।

सटीक सूचना पर मारा छापा

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि कंझावला क्षेत्र में कुछ लोग अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के नाम पर नकली मोबिल ऑयल बना रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर कमल कुमार की अगुवाई एक टीम का गठन किया। पुलिस ने टीम सात अक्टूबर को गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारा और मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नकली ऑयल, खाली बोतलें, स्टीकर, होलोग्राम, और पैकिंग सामग्री जब्त की।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपित प्रिंस और उसका भाई अल्लू, दोनों आगरा (उप्र) के निवासी हैं। उन्होंने मई 2025 में कंझावला में एक फैक्ट्री किराए पर ली थी। दोनों पहले भी 2021 में इसी तरह के अपराध में गिरफ्तार हो चुके हैं।

ये लोग सस्ते और घटिया गुणवत्ता वाले लुब्रिकेंट को महंगे ब्रांड्स के नाम से पैक करते थे। वे फर्जी रैपर, स्टिकर, और होलोग्राम लगाकर असली पैकिंग जैसी हूबहू कॉपी तैयार करते थे। इसके बाद यह नकली ऑयल स्थानीय ऑटो पार्ट्स की दुकानों और वर्कशॉप्स में सस्ते दाम पर सप्लाई किया जाता था। अधिकांश लेनदेन कैश में और फर्जी बिलों के जरिए किया जाता था ताकि कोई पकड़ न सके।

देश का दर्पण
जयपुर, शुक्रवार
10.10.2025

नाश्ते में रोजाना सूजी की बनी चीजें खाने से क्या होता है एक्सपर्ट से जानें

सूजी या रवा जिसे (Semolina) इंग्लिश में सेमोलिना कहते हैं. दानेदार टेक्सचर वाली सूजी से भारतीय घरों में हलवा से लेकर इडली, उपमा, चीला, ढोकला, डोसा, टोस्ट जैसी कई चीजें बनाई जाती हैं. नाश्ते में लोग इसे एक बढ़िया ऑप्शन के तौर पर देखते हैं, क्योंकि सूजी बहुत जल्दी पक जाती है और ये पचने में भी आसान होती है. कार्ब्स होने की वजह से सूजी की बनी चीजें तुरंत एनर्जी देने में भी हेल्पफुल रहती हैं. सोशल मीडिया पर भी आपको सूजी की कई ब्रेकफास्ट रेसिपी मिल जाएंगी, लेकिन क्या आपने सोचा है कि अगर सूजी के बनी चीजें रोजाना सुबह नाश्ते में खाई जाएं तो इससे आपकी सेहत पर क्या असर होगा. चलिए एक्सपर्ट से इस बारे में जान लेते हैं.सूजी या रवा भी गेहूं से ही बनाते हैं, लेकिन इसे खासतौर पर ड्यूरम व्हीट से बनाया जाता है. ये गेहूं की ऐसी प्रजाति है, जिसका दाना काफी ज्यादा सख्त होता है. सबसे पहले गेहूं की क्लीनिंग करके भिगोकर रखते हैं ताकि नमी बैलेंस की जा सके और फिर गेहूं का छिलका पूरी तरह से हटा दिया जाता है, इसके बाद इनको पीसने की बजाय बारीक टुकड़ों में तोड़ा जाता है. इस तरह से दानेदार सूजी बनकर तैयार हो जाती है. इसमें भी कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. तो चलिए जान लेते हैं रोजाना ब्रेकफास्ट में तुलसी से बनी चीजें खाने से क्या होगा.

सूजी में क्या-क्या हैं न्यूट्रिएंट्स?

हेल्थ लाइन के मुताबिक, 56 ग्राम सूजी में 198 कैलोरी, 40 ग्राम कार्ब्स, 7 ग्राम प्रोटीन, डेली जरूरत का 7 प्रतिशत फाइबर, 41 प्रतिशत थायमिन, 36 प्रतिशत फोलेट, 29 प्रतिशत राइबोफ्लेविन, 8 प्रतिशत मैग्नीशियम, और 13 प्रतिशत आयरन होता है. हालांकि पकाने के बात ये न्यूट्रिएंट्स कम हो सकते हैं.

नाश्ता में सूजी की बनी चीजें खाना

धर्मशिला नारायणा हॉस्पिटल की सीनियर डाइटिशियन पायल कहती हैं कि अगर आप रोज एक महीने तक नाश्ते में सूजी से बनी चीजें जैसे इडली, चीला या उपमा खाते हैं, तो इससे आपकी हेल्थ को कुछ फायदे होने के साथ ही नुकसान भी हो सकते हैं. इसलिए मॉडरेशन में इसे लेना सही रहता है. चलिए जान लेते हैं डिटेल में.

क्या होंगे सेहत को फायदे?

एक्सपर्ट का कहना है कि सूजी हल्की होती है, जिससे ये भारीपन नहीं करती है साथ ही ये आसानी से पचने वाली होती है, इसलिए नाश्ते के लिए यह एक अच्छा ऑप्शन है. इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट की ज्यादा मात्रा आपकी बॉडी को एनर्जी देने का काम करती है. वहीं अगर आप सूजी के साथ दही, दाल और सब्जियां आदि मिलाकर नाश्ता तैयार कर ते हैं तो इससे आपको थोड़े और न्यूट्रिएंट्स जैसे प्रोटीन, फाइबर, विटामिन मिल सकते हैं.

ये हो सकते हैं सेहत को नुकसान

डायटिशियन पायल का कहना है कि सूजी भले ही पचाने में आसान होती है और इसके कुछ फायदे भी हैं, लेकिन रोजाना नाश्ते में अगर आप सिर्फ सूजी खाते हैं डाइट में पोषण का इंबैलेंस हो सकता है, क्योंकि सूजी में फाइबर, आयरन, और विटामिन बहुत ज्यादा मात्रा में नहीं होते हैं. लंबे समय तक अगर आप लगातार सूजी का सेवन करते हैं तो इससे ब्लड शुगर बढ़ सकता है. इसलिए खासतौर पर डायबिटिक लोगों को इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए.

इस तरह खाने से बढ़ सकता है वेट

सूजी में कार्ब्स की मात्रा होने की वजह से इसे लगातार खाने से वेट बढ़ने की संभावना रहती है .

आजादी के संघर्ष में संघ की भूमिका और मोदी का झूठ

जिस तरह भारत-विभाजन की विभीषिका इतिहास में अमिट है और जिसे कोई भुला या झुठला नहीं सकता, उसी तरह इस हकीकत को भी कोई नकार या नजरअंदाज नहीं कर सकता कि मौजूदा सत्ताधीशों के वैचारिक पुरखों का भारत के स्वाधीनता संग्राम से कोई सरोकार नहीं था। यही नहीं, धर्म पर आधारित दो राष्ट्र-हिंदू और मुसलमान का विचार भी सबसे पहले उन्होंने ही पेश किया था।

जर्मन दार्शनिक फ्रेडरिक नीत्शे का एक व्यंग्य वाक्य है- आदमी से उसका झूठ मत छीनो, क्योंकि वही उसके जीने का मूल आधार है। जैसे मछली पानी के बगैर जिंदा नहीं रह सकती, वैसे ही आदमी भी झूठ के बगैर नहीं जी सकता।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नीत्शे के इस कथन से परिचय हुआ हो या न हुआ हो, लेकिन वे इस कथन को सार्थक करते हैं। उनके बारे में अब यह पूर्णतः स्थापित हो चुका है कि वे हर मौके पर सिर्फ और सिर्फ झूठ ही बोलते हैं। उन्होंने सिर्फ अपने बचपन के बारे में, अपनी शिक्षा के बारे में और अपने वैवाहिक जीवन के बारे में ही गलत जानकारियां बयान नहीं कीं, बल्कि वे अपनी सरकार के काम-काज को लेकर भी हर मामले में पूरे आत्मविश्वास के साथ बेधड़क झूठ बोलने से कतई परहेज नहीं करते हैं।पिछले सप्ताह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौवें स्थापना दिवस पर अपने एक ब्लॉग के जरिये मोदी ने जाहिर कर दिया कि जैसे ब्रह्मांड का कोई ओर-छोर नहीं है, वैसे ही उनके झूठ बोलने की भी कोई सीमा नहीं है। उन्होंने अपने ब्लॉग में भारत के स्वाधीनता संग्राम में आरएसएस की भूमिका को लेकर ऐसी-ऐसी बातें लिखीं, जो कि आज तक आरएसएस के किसी सरसंघचालक ने भी कहने का साहस नहीं किया। यह स्थापित तथ्य है कि आजादी के संघर्ष में संघ की रंचमात्र भी भूमिका नहीं थी। मगर मोदी ने बाकायदा लिखा, %डॉ. हेडगेवार समेत कई स्वयंसेवकों ने आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया और उन्हें जेल की सलाखों के पीछे जाना पड़ा।

कितने ही स्वाधीनता सेनानियों को संघ ने संरक्षण दिया और उनके साथ कं धे से कंधा मिला कर काम किया।यह सही है कि आरएसएस के संस्थापक और पहले सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार आजादी की लड़ाई के दौरान दो बार जेल गए थे लेकिन वे संघ के मुखिया के रूप में नहीं बल्कि कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में गए थे। हेडगेवार की आधिकारिक जीवनी (संघ-वृक्ष के बीजः डॉ .केशव बलिराम हेडगेवार) में लिखा है कि उन्हें पहली बार एक साल की जेल आरएसएस के गठन से पहले 1920-21 में खिलाफत आंदोलन के समर्थन में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में हुई थी। यह जीवनी मराठी में चंद्रशेखर परमानंद भिशीकर ने लिखी है।हेडगेवार की दूसरी जेल यात्रा 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान हुई लेकिन उसकी भी कहानी बेहद

दिलचस्प है। उनकी जीवनी के मुताबिक हेडगेवार ने सब जगह सूचना भिजवाई थी कि संघ इस सत्याग्रह में भाग नहीं लेगा, किन्तु जिन्हें व्यक्तिगत रूप से इसमें भाग लेना हो, उन्हें मनाही नहीं है। इसका मतलब है कि संघ में जिम्मेदारी वहन करने वाला कार्यकर्ता सत्याग्रह में भाग नहीं ले सकता था। जीवनी में लिखा है कि डॉक्टर साहब खुद गांधीजी के डांडी नमक सत्याग्रह में निजी तौर पर शामिल हुए लेकिन सरसंघचालक का पद छोड़कर। हेडगेवार की यह जीवनी इसके पीछे के गुप्त उद्देश्य का खुलासा करती है कि, ऐसा विश्वास भी डॉ. साहब के मन में था कि वहां जो स्वातंत्र्य प्रेमी, त्यागी एवं प्रतिष्ठित मंडली साथ में रहेगी, उनसे चर्चा कर उन्हें संघ के काम से जोड़ा जा सकेगा। जाहिर है कि हेडगेवार देशप्रेम की वजह से नहीं, बल्कि संघ में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को शामिल करने के मकसद से नमक सत्याग्रह में शामिल हुए थे।दरअसल जिस तरह भारत-विभाजन की विभीषिका इतिहास में अमिट है और जिसे कोई भुला या झुठला नहीं सकता, उसी तरह इस हकीकत को भी कोई नकार या नजरअंदाज नहीं कर सकता कि मौजूदा सत्ताधीशों के वैचारिक पुरखों का भारत के स्वाधीनता संग्राम से कोई सरोकार नहीं था। यही नहीं, धर्म पर आधारित दो राष्ट्र-हिंदू और मुसलमान का विचार भी सबसे पहले उन्होंने ही पेश किया था, जिसे बाद में मुस्लिम लीग ने भी अपनाया और उसी के आधार पर उसने पाकिस्तान हासिल किया।भारत के मौजूदा सत्ताधीशों और उनके राजनीतिक संगठन यानी भाजपा की गर्भनाल संघ और हिंदू महासभा से जुड़ी हुई है। इन दोनों ही संगठनों ने स्वाधीनता संग्राम से न सिर्फ खुद को अलग रखा था बल्कि खुलकर उसका विरोध भी किया था। यही नहीं, 1942 में शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन के रूप में जब स्वाधीनता संग्राम अपने तीव्रतम और निर्णायक दौर में था, उस दौरान तो उस आंदोलन का विरोध करते हुए संघ और हिंदू महासभा के नेता पूरी तरह ब्रिटिश हुकूमत की तरफ़दारी कर रहे थे।

वैसे स्वाधीनता आंदोलन से अपनी दूरी और मुसलमानों के प्रति अपने नफरत भरे अभियान को संघ ने कभी छुपाया भी नहीं। हेडगेवार की आधिकारिक जीवनी में स्वीकार भी किया गया है- संघ की स्थापना के बाद डॉक्टर साहब अपने भाषणों में हिन्दू संगठन के बारे में ही बोला करते थे। सरकार पर टीका-टिप्पणी नहीं के बराबर रहा करती थी।महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश के सभी समुदायों की एकताबद्ध लड़ाई की कांग्रेस की अपील को ठुकराते हुए हेडगेवार ने कहा था- हिंदू संस्कृति हिंदुस्थान की जिंदगी की सांस है। इसलिए स्पष्ट है कि अगर हिंदुस्थान की रक्षा करनी है तो हमें सबसे पहले हिंदू संस्कृति का पोषण करना होगा।1940 में हेडगेवार की मृत्यु के बाद आरएसएस के प्रमुख भाष्यकार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उर्फ गुरुजी ने भी स्वाधीनता आंदोलन के प्रति अपनी नफ़रत को नहीं छुपाया। वे अंग्रेज शासकों के विरुद्ध किसी भी आंदोलन अथवा कार्यक्रम को कितना नापसन्द करते थे, इसका अंदाज़ा उनके इन शब्दों से लगाया जा सकता है- नित्यकर्म में सदैव संलग्न रहने के विचार की आवश्यकता का और भी एक कारण है।

समय-समय पर देश में उत्पन्न परिस्थिति के कारण मन में बहुत उथल-पुथल होती ही रहती है। 1942 में ऐसी उथल-पुथल हुई थी। उसके पहले 1930-31 में भी आंदोलन हुआ था। उस समय कई लोग डॉक्टर जी (हेडगेवार) के पास गए थे। इस शिष्टमंडलने डॉक्टर जी से अनुरोध किया कि इस आंदोलन से देश को स्वतंत्रता मिल जाएगी और इसलिए संघ को पीछे नहीं रहना चाहिए। उस समय एक सज्जन ने जब डॉक्टर जी से कहा कि वह जेल जाने के लिए तैयार है, तो डॉक्टर जी ने कहा- ज़रूर जाओ लेकिन पीछे आपके परिवार को कौन चलाएगा? उस सज्जन ने बताया, दो साल तक केवल परिवार चलाने के लिए ही नहीं, आवश्यकता अनुसार जुर्माना भरने की भी मैंने पर्याप्त व्यवस्था कर रखी है। इस पर डॉक्टर जी ने कहा- आपने पूरी व्यवस्था कर रखी है तो अब दो साल के लिए संघ का ही कार्य करने के लिए निकलो।घर जाने के बाद वे सज्जन न तो जेल गए और न ही संघ का कार्य करने के लिए बाहर निकले।(श्री गुरुजी समग्र, खंड 4 पृष्ठ 39-40)गोलवलकर द्वारा प्रस्तुत इस ब्यौरे से साफ जाहिर होता है कि आरएसएस का मकसद स्वाधीनता संग्राम के प्रति आम लोगों को निराश और उदासीन करना था। ख़ास तौर से उन देशभक्तों को, जो अंग्रेजी शासन के ख़िलाफ़ कुछ करने की इच्छा लेकर घर से आते थे। वैसे 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के प्रति आरएसएस का हिकारत भरा रवैया गोलवलकर के इस शर्मनाक कथन से भी जाना जा सकता है- सन्1942 में भी अनेक लोगों के मन में तीव्र आंदोलन था। उस समय भी संघ का नित्य कार्य चलता रहा। प्रत्यक्ष रूप से संघ ने कुछ न करने का संकल्प किया। परन्तु संघ के स्वयंसेवकों के मन में उथल-पुथल चल ही रही थी। संघ के बारे में कहा गया कि यह अकर्मण्य लोगों का संगठन है, इनकी बातों का कु छ अर्थ नहीं। ऐसा केवल बाहर के लोगों ने ही नहीं, संघ के कई स्वयंसेवकों ने भी कहा। वे बड़े रुष्ट भी हुए। (श्री गुरुजी समग्र, खंड 4 पृष्ठ 40)गोलवलकर का यह कहना कि भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान आरएसएस का रोज़मर्रा का काम ज्यों का त्यों चलता रहा, बहुत अर्थपूर्ण है। यह रोज़मर्रा का काम क्या था? इसे समझना ज़रा भी मुश्किल नहीं है। यह काम था मुस्लिम लीग के समानांतर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच की खाई को अधिक चौड़ा व गहरा करना। उनकी इस महान सेवा से खुश होकर अंग्रेज़ शासकों ने उन्हें अपनी कृपा से नवाज़ा भी।

संपादकीय

बिहार में चुनावी बहार

आखिरकार, चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दो दशक में पहली बार इतनी कम अवधि तथा दो चरणों में मतदान छह व ग्यारह नवंबर को होगा और मतगणना चौदह नवंबर को होगी। विवादों के केंद्र में रही चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर विपक्ष की राजनीति राजग गठबंधन को चुनौती देगी। एक घटक, जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। जो पलायन व भ्रष्टाचार के मुद्दे को पार्टी का लक्ष्य बता रहे हैं। बहरहाल, लोकसभा चुनाव सात चरण में कराने के खट्टे अनुभवों से सबक लेकर चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों की मांग पर विधानसभा चुनाव दो चरणों में समेटने का निर्णय लिया है। लेकिन यह तय है कि जिस तरह आनन-फानन में पर्याप्त तैयारियों की कमी के बीच एसआईआर को अंजाम दिया गया, उसको लेकर तमाम तरह के सवाल उभरते ही रहेंगे। यहां तक कि मामले में बार-बार शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा। अभी आयोग को उन लोगों की शिकायत का सामना करना पड़ेगा, जो वोटर लिस्ट में अपना नाम नहीं देख पा रहे हैं। बहरहाल, एक बात तो तय है कि दो दशक से बिहार की राजनीति के केंद्र में बने हुए नीतीश कुमार को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि राजग नेतृत्व को उम्मीद है कि हाल के दिनों में कराए गए विकास कार्य तथा लोकलुभावनी योजनाओं की बरसात से वोटों की फसल सींची जा सकेगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बिहार का जनमानस नीतीश को फिर से गद्दी सौंपता है या फिर उत्साहित महागठबंधन को सत्ता में आने का मौका देता है। कांग्रेस व राजद का कई मतभेदों के बावजूद एकजुट रहना सुशासन बाबू के लिये मुश्किलें जरूर पैदा कर सकता है। इन चुनावों में मोदी-शाह की प्रतिष्ठा का भी मूल्यांकन होगा। नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा भी इन चुनावों में दांव पर लगी है कि क्या वे दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले पाएंगे।

बहरहाल, इस बार सुशासन बाबू की प्रतिष्ठा भी दांव पर है, जब विपक्ष ने भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था के सवाल को बड़ा मसला बना दिया है। जिस मुद्दे पर नीतीश अब तक राजद सरकार को जंगल राज बताकर घेरते रहे हैं, वही अस्त्र अब महागठबंधन की ओर से चलाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष एसआईआर विवादों के आलोक में मतदाताओं में असमंजस की बात कह रहा है। उसकी दलील है कि अब जब चुनाव में कुछ ही हफ्ते बाकी हैं विशेष गहन पुनरीक्षण अभी भी न्यायिक जांच के दायरे में है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। दरअसल, 24 जून को चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान शुरू करने के बाद मतदाताओं की संख्या में खासा फेरबदल होता रहा है। अभियान शुरू करते वक्त बिहार में मतदाताओं की संख्या 7.9 करोड़ थी, फिर एक अगस्त को जारी मसौदा सूची में यह संख्या घटकर 7.24 करोड़ रह गई। मृत्यु,प्रवास और दोहराव सहित विभिन्न आधारों पर 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। अब अंतिम सूची में 7.42 करोड़ मतदाता हैं। मसौदा सूची में 21.53 लाख नाम जोड़े गए हैं और कुल 3.66 लाख नाम हटा दिए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों की दुविधा दूर करने के लिये चुनाव आयोग से कुछ सवालों का जवाब तुरंत देने को कहा है। निस्संदेह, न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण, एसआईआर में कुछ हद तक पारदर्शिता देखी गई है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग को उन अवैध प्रवासियों की संख्या साझा करने की जरूरत है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए थे। उम्मीद की जानी चाहिए कि अखिल भारतीय एसआईआर शुरू करने से पहले बिहार से सबक लेकर सामने आई कमियों को दूर करने की दिशा में चुनाव आयोग पहल करेगा। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि महिलाओं, दिव्यांगों व बुजुर्गों के लिये बड़े पैमाने पर की गयी घोषणाओं का कितना लाभ सुशासन बाबू को मिलता है।

बिहार चुनाव : भाजपा-राजद का कृष्णपक्ष, जदयू-कांग्रेस का शुक्लपक्ष

बीस साल से बिहार में राज्य कर रहे नीतीश कुमार जब हड़बड़ी में पटना मेट्रो का उद्घाटन कर रहे थे

जिस भाजपा के लिए इस बार बिहार जीतने का मौका था वह सचमुच मुंह छुपा रही है या नीतीश को आगे करके लोक-लुभावन कार्यक्रमों और पैसे बांटकर चुनाव जीतना चाहती है। पैंतीस साल से एक ही तरह की राजनीति और शासन झेल रहे बिहार को नई राजनीति चाहिए लेकिन न तो भाजपा उसके लिए तैयार है न प्रशांत किशोर खुद को विकल्प के रूप में पेश कर पा रहे हैं। उन्होंने बहुत मेहनत की है, होशियार है

बीस साल से बिहार में राज्य कर रहे नीतीश कुमार जब हड़बड़ी में पटना मेट्रो का उद्घाटन कर रहे थे उसके कुछ घंटे बाद ही आदर्श चुनाव संहिता लागू होने के चलते पटना और प्रदेश के अन्य शहरों में लगे उन होर्डिंगों और प्रचार सामग्री को उतारने में मजदूर जुट गए जिनसे राज्य सरकार आगामी चुनाव में कुछ लाभ पाने की उम्मीद कर रही है। मात्र तीन स्टेशनों के बीच मेट्रो चलाने की परियोजना भी इसी के चलते हड़बड़ी में शुरू हुई। लेकिन नीतीश कुमार और उनके साथ सत्ता में भागीदारी कर रही भाजपा को भरोसा है कि पचहत्तर लाख महिलाओं के खातों में दस-दस हजार रुपए ट्रांसफर करने से लेकर डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर वाली जिन लगभग एक दर्जन योजनाओं की घोषणा पिछले कुछ महीनों के अंदर हुई है वह बीस साल के एंटी-इंकम्बेन्सी को काटकर एनडीए को जीत दिला देगी। विपक्ष भी इस बारे में मुंह खोलने और आलोचना करने से बच रहा है क्योंकि इससे उसकी छवि खराब होगी। सो विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव नीतीश कुमार पर उनकी योजनाएं चुराने का आरोप लगा रहे हैं।कहना न होगा कि अब वे वोट चोरी के सवाल को उस तरह उठाने का उत्साह नहीं दिखा रहे हैं जैसा डेढ़-दो महीने पहले कर रहे थे। इस मुद्दे को बहुत जोर-शोर से उठाने वाले कांग्रेसी नेता राहुल गांधी तो अचानक बिहार के राजनैतिक परिदृश्य से कुछ समय गायब हो गए लेकिन वोट चोरी का मसला सुप्रीम कोर्ट के कई बार दिए गए दखल से काफी कुछ लाइन पर आया और चुनाव आयोग तथा शासक गठबंधन ने भी मतदाता सूची पुनरीक्षण पर पहले जैसी गलतियां न करके मामले को कुछ ठंडा पड़ने

दिया है। इस बीच प्रशांत किशोर ने प्रदेश भाजपा के चार प्रमुख नेताओं और नीतीश कुमार के एक दुलारे मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले उठाकर बिहार में काफी खलबली मचाई है और वोट चोरी के सवाल को भी पीछे किया है। तेजस्वी की मुश्किल यह है कि वे भ्रष्टाचार के सवाल को भी ज्यादा जोर से नहीं उठा सकते क्योंकि लालू यादव का सजायाफ्ता होना और खुद तेजस्वी समेत सारे परिवार के अभी भी आरोपों में घिरे होने से यह सवाल उनके चुनावी भविष्य के लिए मुश्किल बन सकता है। भाजपा ने जिस सम्राट चौधरी पर दांव लगाया था वे तो प्रशांत के आरोपों से लहूलुहान हुए ही हैं प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और दो पूर्व अध्यक्ष-संजय जायसवाल तथा मंगल पांडेय भी बुरी तरह घिर गए हैं। प्रशांत का जवाब देने के लिए भाजपा का एक भी बड़ा नेता सामने नहीं आया तो नीतीश कुमार तो मौनी बाबा बन ही गए हैं।लेकिन जिस भाजपा के लिए इस बार बिहार जीतने का मौका था वह सचमुच मुंह छुपा रही है या नीतीश को आगे करके लोक-लुभावन कार्यक्रमों और पैसे बांटकर चुनाव जीतना चाहती है। पैंतीस साल से एक ही तरह की राजनीति और शासन झेल रहे बिहार को नई राजनीति चाहिए लेकिन न तो भाजपा उसके लिए तैयार है न प्रशांत किशोर खुद को विकल्प के रूप में पेश कर पा रहे हैं। उन्होंने बहुत मेहनत की है, होशियार हैं लेकिन उनका अगड़ा होना और पैसों के संदिग्ध स्रोत उनकी राजनीति पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पर भाजपा तो जैसे-जैसे अपने पैरों पर खड़ा होने की जगह नीतीश कुमार के चेहरे के पीछे छुप रही है वैसे-वैसे उसका स्वतंत्र ढंग से बिहार की राजनीति में बढ़ना थम गया है।

खुद थक-हार गए नीतीश कुमार अपनी पार्टी संभाल नहीं पा रहे हैं तो भाजपा को क्या सहारा देंगे। एक उनकी ईमानदारी वाली छवि है और उसने बीस साल का राज दिलवा दिया है। जैसे-जैसे भाजपा के नेताओं का ग्राफ गिरा है नीतीश कुमार के लिए सहानुभूति बढ़ती गई है। वह चुनाव जितवा देगी यह कहना जल्दबाजी होगी। खुद को असहाय पाती भाजपा इस बार चिराग पासवान, पप्पू यादव और ओवैसी जैसों के सहारे नीतीश और विपक्ष को पंचर करने का दोहरा खेल इस बार नहीं खेल पा रही है।भाजपा के बाद सबसे मजबूत दल राजद का किस्सा हल्का बयान हुआ है पर यह भी कहना जरूरी है कि इस बार वह मुसलमान वोट के पूरी तरह इंडिया गठबंधन की तरफ आने से बम बम है। वक्फ कानून पर भाजपा का साथ देने से नीतीश कुमार पर मुसलमानों का भरोसा पूरी तरह टूट गया है। लेकिन उसी अनुपात में कांग्रेस का ग्राफ चढ़ा भी है इसलिए तेजस्वी या राजद को इस सच्चाई को ध्यान में रखना होगा। और कांग्रेस ने रविदासियों, मुसहरों और अति पिछड़ा समाज में घुसपैठ करने की गंभीर कोशिशें की हैं जैसा यादव दबदबे वाली राजद नहीं कर पाई है। लगभग 36 फीसदी आबादी वाला अति पिछड़ा समाज भी हाल के वर्षों में अपने विरोधाभासों से जूझता रहा है और वह एक साथ वोट देगा यह मानना जल्दबाजी होगी। उसे नीतीश कुमार का भरोसा है पर वह यह भी देख रहा है कि वे अब राजनीति में ज्यादा समय चलने वाले नहीं हैं और अगर यह वोट बैंक बिखरा तो कहां जाएगा? यह कहना अभी भी मुश्किल है।

इतना कहा जा सकता है अगर भाजपा अपने दम पर होती तो इस समाज के उसके पास जाने का सबसे ज्यादा अवसर था।भाजपा नरेंद्र मोदी के चेहरे, अमित शाह की चौकस व्यवस्था, केंद्र के धन के साथ अपने अपार संसाधनों के बल पर है लेकिन स्थानीय नेतृत्व के मामले में कमजोर पड़ने से उसकी तकलीफ बढ़ रही है। और सिर्फ पिछड़ा नेता सामने करने के चलते उसे अगड़ों की नाराजगी भी झेलनी पड़ रही है जो इस बार प्रशांत किशोर का नाम लेने लगा है। यह सिर्फ भाजपा को डराने और ज्यादा टिकट के लिए दबाव बनाने के लिए है यह जल्दी ही साफ हो जाएगा।

ज्यादा नए वोटर कांग्रेस से जुड़ें तो भी हैरानी नहीं होगी क्योंकि राहुल गांधी ने लगातार दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के सवाल को जिस तरह उठाया है वैसा कोई और नहीं कर पाया है। यह जरूर है कि मजबूत संगठन और सामाजिक आधार न होने से कांग्रेस बूथ स्तर पर भाजपा या एनडीए का मुकाबला करती नहीं लगती लेकिन चुनाव में लोगों का मन ही सर्वोपरि महत्व की चीज है। इसलिए कांग्रेस और जदयू बढ़े तथा राजद और भाजपा की सीटें घटे तो हैरान न होइएगा। कम से कम इस लेखक को प्रशांत किशोर से किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं है।

चाकू घोपकर युवती की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के कोटला मुबारकपुर इलाके में मंगलवार रात एक 25 वर्षीय युवती का खून से लथपथ शव मिला। जानकारी के अनुसार रात करीब 9:19 बजे पुलिस को पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी कि कॉलर के मकान में रहने वाली किरायेदार महिला का झगड़ा हो गया है। सीढ़ियों पर खून के निशान पड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां पहुंचने पर देखा गया कि मकान का दरवाजा बाहर से कुंडी लगा हुआ था। जब पुलिस ने अंदर जाकर जांच की तो कमरे में एक महिला का शव फर्श पर पड़ा मिला। जांच में मृतका की पहचान मस्जिद मोठ, एंड्रयूजगंज निवासी साक्षी(25) के रूप में हुई। पुलिस अधिकारी के अनुसार मौके पर क्राइम टीम और एफएसएल टीम को बुलाकर जांच कराई गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतका अपने किसी परिचित व्यक्ति के साथ थी, जिसके साथ झगड़े के दौरान आरोपित ने चाकू से चेहरे और गले पर वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से कई अहम सुराग मिले हैं। आरोपित की पहचान कर उसकी तलाश जारी है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

सोते पति पर खौलता तेल डाला, लाल मिर्ची छिड़की, मामला दर्ज

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के अंबेडकर नगर इलाके में सो रहे युवक पर पत्नी ने पहले खौलता तेल डाला। इसके बाद लाल मिर्ची पाउडर उसके जख्मों पर छिड़क दिया। दर्द से चिल्ला रहे युवक की आवाज सुनकर मकान मालिक कमरे में पहुंचे, जिसके बाद युवक को पहले मदन मोहन मालवीय अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत बिगड़ती देख उन्हें डॉक्टरों ने सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। आईसीयू में भर्ती युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। जांच में घायल की पहचान दिनेश कुमार (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने घायल के बयान पर तीन अक्टूबर को केस दर्ज किया था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि दिनेश कुमार परिवार के साथ मदनगीर स्थित किराए के मकान में रहते हैं। परिवार में पत्नी व एक छोटी बेटी है। दिनेश एक फार्मा कंपनी में काम करते हैं। पुलिस को दिए बयान में उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर को ड्यूटी से आकर वह खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। पास में ही उनकी बेटी और पत्नी भी सो रही थी। अचानक देर रात 3.15 पर उनके शरीर में जलन होने पर आंख खुल गई। उन्होंने देखा कि उनके ऊपर पत्नी ने खौलता हुआ गर्म डाल दिया था। वह हाथ में लाल मिर्च पाउडर लेकर खड़ी थी। पत्नी ने कहा कि अभी तो गर्म तेल ही डाला है। अब लाल मिर्ची पाउडर भी डालूंगी। इतना कहकर उसने उनके शरीर पर गर्म तेल की वजह से बने घाव पर लाल मिर्ची छिड़क दी। दर्द से चिल्ला रहे दिनेश की आवाज सुनकर नीचे से मकान मालिक ऊपर आए।

कार्यक्रमों के सुरक्षित संचालन को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रॉक्टर कार्यालय ने सभी केंद्रों, कॉलेजों, छात्रावासों और संस्थानों में कार्यक्रमों, सभाओं और समारोहों के सुरक्षित, सुचारू और व्यवस्थित संचालन के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की। यह एडवाइजरी दिल्ली उच्च न्यायालय के 10 नवंबर, 2023 के आदेशों, डीयू प्रॉक्टर कार्यालय की 11 जनवरी, 2024 की सलाह और दिल्ली पुलिस की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुपालन में जारी की गई है। एडवाइजरी के अनुसार विश्वविद्यालय ने उत्तरी और दक्षिणी परिसरों के लिए अलग-अलग समर्पित संपर्क अधिकारी (एलओ) नियुक्त करने का प्रावधान किया है, जो दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय करेंगे। इसमें कहा गया है प्रत्येक कॉलेज और संस्थान को भी हर कार्यक्रम के लिए एक संपर्क अधिकारी नियुक्त करना होगा, जो कार्यक्रम के दौरान उपलब्ध रहेगा और पुलिस को समय, प्रकृति, अपेक्षित भीड़, वीआईपी उपस्थिति, प्रवेश के तरीके और प्रति घंटा अपडेट जैसी जानकारी साझा करेगा। कॉलेजों और छात्रावासों को प्रत्येक प्रमुख कार्यक्रम के लिए सोशल मीडिया परामर्श जारी करने का निर्देश दिया गया है। इसमें कार्यक्रम का समय, प्रकृति, प्रवेश आवश्यकताएं, यातायात व्यवस्था और प्रवेश द्वार स्पष्ट हों। इसके अलावा प्राथमिक चिकित्सा दल, स्थिर एम्बुलेंस, अग्नि सुरक्षा उपाय और आपातकालीन व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

द्वारका जिला पुलिस ने सितंबर माह में 14 अवैध विदेशी नागरिकों को पकड़ा

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने इस साल सितंबर माह में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 14 विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में ठहरने के आरोप में गिरफ्तार कर वापस भेजा है। इनमें नाइजीरिया के 11, आइवरी कोस्ट के 2 और बांग्लादेश के 1 नागरिक शामिल हैं। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि द्वारका जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल, मोहन गार्डन थाना, एएटीएस, द्वारका सेक्टर-23 थाना और डाबड़ी थाना की संयुक्त टीमों ने यह अभियान चलाया था। अभियान के दौरान नौ विदेशी नागरिकों को एंटी नारकोटिक्स सेल, 2 को मोहन गार्डन, एक को एएटीएस, एक को द्वारका सेक्टर-23 और एक को डाबड़ी थाना पुलिस ने पकड़ा। पुलिस टीमों ने क्षेत्र में रह रहे उन विदेशी नागरिकों पर निगरानी बढ़ाई थी, जो बिना वैध वीज़ा या परमिट के देश में रह रहे थे। जांच के दौरान यह पाया गया कि सभी 14 व्यक्ति या तो वीज़ा की अवधि समाप्त होने के बाद भी ठहरे हुए थे या अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर चुके थे।

छोटे उद्यमियों को बिना गिरबी रखे मिल सकेगा व्यापार के लिए कर्ज- रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। सूक्ष्म और लघु उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए दिल्ली सरकार और क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (सीजीटीएमएसई) के बीच सहयोग की मंजूरी दी गई है। इस साझेदारी का उद्देश्य छोटे उद्यमियों को कुछ भी गिरवी रखे बिना ऋण प्राप्त करने में मदद देना और बैंकों का जोखिम कम करके उन्हें अधिक ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहा कि यह साझेदारी दिल्ली के आर्थिक विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगी। इससे हजारों उद्यमियों को कर्ज प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि इस योजना के तहत छोटे उद्यमियों को बिना किसी संपत्ति की गिरवी के ऋण प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। इस योजना में ऋण गारंटी का प्रावधान दिल्ली

सरकार और सीजीटीएमएसई के बीच साझा रूप से किया गया है। प्रस्तावित गारंटी संरचना के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के उधारकर्ताओं को अधिकतम 95 प्रतिशत तक की गारंटी कवरेज प्रदान की जाएगी। अब लघु उद्यमों के लिए 0 से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 75 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 20 प्रतिशत की कवरेज दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। महिला उद्यमियों और अग्निवीरों द्वारा प्रोत्साहित एमएसई के लिए 0 से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 90 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 5 प्रतिशत दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। अब माइक्रो श्रेणी के अंतर्गत 0 से 5 लाख रुपये तक के ऋण पर 85 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 10 प्रतिशत कवरेज दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके अलावा पांच लाख रुपये से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 75 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 20 प्रतिशत दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। इस तरह सभी पर कुल कवरेज 95 प्रतिशत हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने इस निर्णय की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि सीजीटीएमएसई की स्थापना वर्ष 2000 में केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय तथा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा की गई थी। यह संस्था छोटे उद्यमों को बिना कुछ गिरवी रखे कर्ज दिलाने के लिए बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को गारंटी प्रदान करती है। वर्तमान में सीजीटीएमएसई देशभर में 276 सदस्य ऋण संस्थानों के साथ कार्य कर रही है। इसका कुल गारंटी पोर्टफोलियो 9.34 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है। वित्त वर्ष 2025 में ही इस संस्था ने 27 लाख ऋण खातों की गारंटी जारी की हैं, जिनकी कुल राशि 3.05 लाख करोड़ रुपये रही।

दिल्ली विश्वविद्यालय के जॉब मेले में जुटी 61 कंपनियां

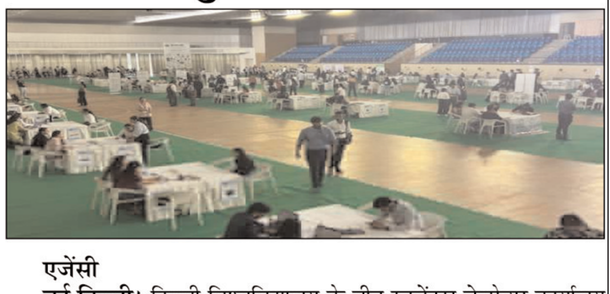

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेल्फेयर कार्यालय के तत्वावधान में केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने जॉब मेला, प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप मेले का आयोजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय खेल परिसर में आयोजित इस जॉब मेले में 61 कंपनियों ने भाग लिया जिनमें 47 कंपनियां ऑफलाइन और 14 कंपनियां ऑनलाइन जुड़ी। जॉब मेले में पांच हजार से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकृत किया। इस अवसर पर शिक्षा, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, बीमा, व्यवसाय संचालन, विपणन, बिक्री, इंजीनियरिंग और अन्य सेवा उद्योगों में 1500 से अधिक नौकरी और इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध हुए। डीन स्टूडेंट्स वेल्फेयर प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी ने बताया कि प्रमुख भर्तीकर्ताओं में मुथूट फाइनेंस, एक्सिस आईआईटी एवं नीट, बजाज कैपिटल, पीसीआई इंडिया, स्टबबोर्न फैक्ट्री और बजाज आलियांज शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शाम तक, विभिन्न कंपनियों द्वारा 1200 से अधिक छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जा चुका है।

सीजेआई पर जूता फेंकने की घटना पर अरविंद केजरीवाल ने कहा- दोषियों को मिले कड़ी सजा

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उच्चतम न्यायालय में न्यायमूर्ति बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर पर नरमी न बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं को यदि अनदेखा किया गया, तो सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था की प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिह्न लग सकता है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशन मीडिया एक्स पर कहा कि यदि देश की सर्वोच्च पीठ में विराजमान न्यायमूर्ति पर इस प्रकार का आक्रमण करने वाले को दंड नहीं दिया गया, तो अन्य न्यायाधीशों की सुरक्षा का क्या होगा। यह न्यायपालिका के लिए एक गंभीर संकेत है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति गवई ने इस घटना के उपरांत कोई कठोर कार्रवाई नहीं करने का जो निर्णय लिया, वह उनकी उदारता को दर्शाता है, परन्तु ऐसी घटनाओं को केवल सहिष्णुता के रूप में देखना उचित नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि जो लोग सोशल मीडिया पर न्यायमूर्ति गवई का मजाक उड़ा

रहे हैं अथवा उन्हें धमकाने का प्रयास कर रहे हैं, उनका उद्देश्य सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था को भयभीत करना है। ऐसे सभी व्यक्तियों के विरुद्ध विधि के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जूता फेंकने का प्रयास करने वाले व्यक्ति और न्यायपालिका के विरुद्ध सोशल मीडिया पर अपमानजनक कथन करने वालों को ऐसा दंड दिया जाना चाहिए जिससे कोई भी भविष्य में न्यायालय से छेड़छाड़ की हिम्मत न करे। यह न्याय के मंदिर की रक्षा का विषय है। उल्लेखनीय है कि, 6 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय की प्रथम पीठ में एक याचिका पर सुनवाई के समय 71 वर्ष के अधिवक्ता राकेश किशोर ने न्यायमूर्ति बीआर गवई की ओर जूता फेंकने का प्रयास किया। यह याचिका खजुराहो मंदिर में भगवान विष्णु की खंडित प्रतिमा की पुनर्स्थापना से संबंधित थी।

वीरेंद्र सचदेवा ने आआपा पर लगाए हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले 11 वर्षों में आम आदमी पार्टी (आआपा) ने हिंदुओं के त्योहारों में बाधा डालकर और धार्मिक भावनाओं को आहत करके सत्ता का दुरुपयोग किया है। यह आरोप भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने लगाया। वीरेंद्र सचदेवा ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर हिंदुओं की परंपराओं का अपमान किया गया, जबकि छठ पूजा जैसे महापर्व को यमुना नदी किनारे मनाने से रोककर लाखों पूर्वांचलियों की आस्था को ठेस पहुंचाई।

सचदेवा ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता परंपराओं का सम्मान बनाए रखते हुए प्रदूषण नियंत्रण का संतुलन है। उन्होंने कहा कि प्रमाणित ग्रीन पटाखों के उपयोग से न तो प्रदूषण बढ़ेगा और न ही धार्मिक भावनाएं आहत होंगी।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय से ग्रीन पटाखे चलाने की

अनुमति देने की मांग की है पर इस पर सर्वोच्च न्यायालय जो भी फैसला देगा उसका भाजपा सरकार एवं दिल्ली की जनता सम्मान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि दिल्लीवासी इस बार स्वच्छ, सुरक्षित वातावरण में खुशियों भरी जगमगाती दीवाली मना सकें। परंपराओं का सम्मान और प्रदूषण की रोकथाम, दोनों भाजपा की प्रतिबद्धता हैं। उन्होंने आआपा को चेतावनी दी कि ग्रीन पटाखों के प्रस्ताव में भी राजनीति करने की बजाय प्रदूषण के असली कारणों जैसे पराली जलाना और सड़क निर्माण पर ध्यान दें।

दिल्ली में गोगी गैंग पर शिकंजा: दो बदमाश गिरफ्तार, अवैध हथियार और पाकिस्तानी कनेक्शन का खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली । बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने गोगी गैंग गिरोह के दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों की पहचान ऋतिक उर्फ बॉम्ब (22) और चंदन (19) के रूप में हुई है। जो दोनों कापसहेड़ा इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और एक सफेद आई 20 कार बरामद की है। दोनों के खिलाफ पहले भी कई संगीन मामले दर्ज हैं। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बुधवार को बताया कि दो अक्टूबर को दशहरा के दिन संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस टीम को बिना नंबर प्लेट की एक सफेद कार संदिग्ध हालत में घूमती दिखाई दी। पुलिस ने जब वाहन को रुकने का इशारा किया तो कार सवार भागने लगे।

पुलिस ने पीछा कर कार को रोक लिया और दो आरोपितों को मौके से दबोच लिया। जबकि तीन अन्य फरार हो गए। तलाशी में ऋतिक और चंदन के पास से अवैध हथियार मिले, जिसके बाद इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। पूछताछ में ऋतिक ने कबूला कि वह पहले कुख्यात अपराधी राजेश भारती की क्रांति गैंग का सदस्य था और उसके मारे जाने के बाद उसने सोनू खारकरी और गोगी गिरोह के लिए काम करना शुरू कर दिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि ऋतिक केवल हथियारबंद अपराधों में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान से चल रहे साइबर क्राइम नेटवर्क से भी जुड़ा हुआ था। वह पाकिस्तान में बैठे ठगों के लिए भारतीय यूपीआई आईडी के जरिये क्रिप्टो करेंसी में लेनदेन करवाता था। बदले में उसे हर ट्रांजैक्शन पर पांच प्रतिशत कमीशन मिलता था। ऋतिक के मोबाइल फोन से छह पाकिस्तानी नंबर (+92 सीरीज) और तीन अकाउंट्स की जानकारी मिली है। पुलिस का कहना है कि यह नेटवर्क फर्जी लोन ऐप्स के जरिये भारतीय नागरिकों से पैसे ठगता था और फिर उन्हीं पैसों को क्रिप्टो करेंसी में बदलकर विदेश भेजता था। पीड़ितों से वसूले गए पैसों को ऋतिक के दिए गए यूपीआई आईडी में जमा कराया जाता था। जिसके बदले में वह पाकिस्तानी हैंडलर्स के खातों में क्रिप्टो करेंसी ट्रांसफर कर देता था। दोनों आरोपितों को अदालत में पेश कर पांच दिन की पुलिस रिमांड ली गई है। इस दौरान पुलिस ने कापसहेड़ा और आसपास के इलाकों में छापेमारी की।

देश में एक नई तरह की तानाशाही का खतरा मंडरा रहा है : गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली। आज लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे देश में एक नई तरह की तानाशाही का खतरा मंडरा रहा है। यह बातें आम आदमी पार्टी (आआपा) के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने कही। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर आयोजित सम्पूर्ण क्रांति राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने देशवासियों से लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की। इस मौके पर गोपाल राय ने कहा कि 50 साल पहले जयप्रकाश नारायण ने सत्ता की तानाशाही के खिलाफ क्रांति का आह्वान किया था। उनके नेतृत्व में छात्र-युवा आंदोलन ने तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंका और देश में लोकतंत्र की स्थापना की। जयप्रकाश नारायण की विरासत का उल्लेख करते हुए राय ने जोर दिया कि मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए उनके

संघर्ष से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण के विचारों को अपनाकर लोकतंत्र को मजबूत करना होगा और तानाशाही ताकतों के खिलाफ एकजुट होना होगा। उन्होंने लोकतंत्र को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया।

ठगी के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन नौकरी घोटाले का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने पांच स्मार्टफोन, दस बैंक पासबुक, चौदह चेकबुक और पांच लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों का एक चीनी नागरिक के साथ सीधा संपर्क था, जो टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए इस घोटाले को अंजाम दे रहा था।

पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त दाराडे शरद भास्कर ने बुधवार को बताया कि 11 सितंबर को तिलक नगर की रहने वाली एक नर्स ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पेज एलोस12 पर पार्ट-टाइम नौकरी के विज्ञापन देखकर एक टेलीग्राम ग्रुप में शामिल हुई थी। वहां उन्हें आकर्षक रिटर्न के वादे के साथ टास्क-बेस्ड नौकरियों में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया और उनसे 15.94 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। शिकायत के आधार पर साइबर थाना में मामला दर्ज किया गया। साइबर पुलिस की एक टीम ने जांच शुरू की। इंस्टाग्राम और टेलीग्राम चैनलों का तकनीकी विश्लेषण करने और धन के लेन-देन की जांच के बाद पता चला कि ठगी की राशि मुख्य रूप से आरोपित सब्बीर अहमद से जुड़े बैंक खातों में स्थानांतरित की गई थी। इन खातों से

राशि चेक के जरिए निकाली जा रही थी। पुलिस ने उत्तम नगर में छापेमारी कर सब्बीर अहमद को गिरफ्तार किया। बैंक की सीसीटीवी फुटेज से दो अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता का पता चला, जिसके बाद बटला हाउस में छापेमारी कर सरफराज और दिलशाद को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दिलशाद ने बताया कि वह टेक्नो सेवी है और लगभग एक साल पहले टेलीग्राम के जरिए एक चीनी नागरिक के संपर्क में आया। चीनी नागरिक ने उसे ठगी की राशि प्राप्त करने के लिए भारतीय बैंक खाते जुटाने का काम सौंपा। जिसके बदले उसे पांच प्रतिशत कमीशन मिलता था। दिलशाद और सरफराज मिलकर बैंक खाते जुटाते थे। ठगी की राशि निकालते थे, और उसे यूएसडीटी (क्रिप्टोकरेंसी) में बदलकर चीनी नागरिकों को डिसेंट्रलाइज्ड एक्सचेंज वॉलेट के जरिए भेजते थे। सब्बीर अहमद एक प्रतिशत कमीशन पर नकदी निकालने में मदद करता था। पूछताछ में पता चला कि आरोपित सब्बीर पेशे से पेंटर, दिलशाद स्नातक का छात्र है, सरफराज जो इस गिरोह को संभाल रहा था एमबीए का छात्र है।

करवाचौथ पर निगम मुख्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में करवाचौथ के पावन पर्व के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में निगम की महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर गीत-संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से करवाचौथ के पर्व की सांस्कृतिक गरिमा और सामाजिक महत्व को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा की करवाचौथ केवल एक व्रत नहीं, बल्कि यह हमारे पारिवारिक मूल्यों, प्रेम, समर्पण और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखते हैं और कार्यस्थल पर सकारात्मक एवं पारिवारिक वातावरण को प्रोत्साहित करते हैं।इस अवसर पर स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति की अध्यक्ष रेखा रानी के साथ ही निगम की अनेक महिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहीं। सत्या शर्मा ने उपस्थित सभी

महिलाओं को करवाचौथ की शुभकामनाएं देते हुए कहा की त्योहार हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने का माध्यम हैं। इस प्रकार के आयोजनों से कार्यस्थल पर भी त्योहारों की उमंग और आपसी सहयोग की भावना बनी रहती है।

28 अवैध प्रवासी पकड़े गए, पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा से हुए थे देश में दाखिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने राजधानी में अवैध रूप से रह रहे 28 बांग्लादेशी प्रवासियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बढ़ती अवैध प्रवास की चिंताओं को देखते हुए की गई, जिसमें बिना वैध दस्तावेज के रह रहे लोगों की पहचान और निर्वासन पर जोर दिया गया। पुलिस उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई का रही है।

इन अवैध प्रवासियों को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में झुग्गी-झोपड़ियों, श्रमिक शिविरों और अनधिकृत कॉलोनियों से पकड़ा गया। पुलिस ने स्थानीय मुखबिरों की मदद से खुफिया जानकारी जुटाई और अवैध तरीके से भारत आने वाले रास्तों की पहचान की। अभियान का नेतृत्व एसआई कवलजीत और एएसआई बृजेश ने किया, जिनके साथ हेड कांस्टेबल वेदप्रकाश, अरुण, मोहित, राजेश और ज्योति बंसल ने जमीनी स्तर पर काम किया।टीम ने फील्ड इंटेलिजेंस, मुखबिर नेटवर्क और स्थानीय पूछताछ का सहारा लिया। सत्यापन अभियान चलाकर कड़ी निगरानी की गई, जिसके बाद 28 लोगों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में पता चला कि ये पश्चिम बंगाल की

खुलना सीमा से अवैध तरीके से भारत में दाखिल हुए थे और उनके साथ कई अन्य अज्ञात लोग भी शामिल हो सकते हैं। इनमें से किसी के पास भी वैध यात्रा या रहने का दस्तावेज नहीं था। गिरफ्तार किए गए सभी प्रवासियों को अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ये लोग अकुशल मजदूर हैं जो कूड़ा बीनने, खेतिहर काम या अनौपचारिक व्यवसायों में लगे थे। पुलिस का कहना है कि ये लोग देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा बन सकते हैं। अब तक दक्षिण पूर्व जिला पुलिस ने कुल 235 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को निर्वासित किया है। वहीं, अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी, ताकि राष्ट्रीय राजधानी में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा सके। स्थानीय लोगों से भी सहयोग की अपील की गई है, ताकि संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दी जा सके।

कंझावला में चल रही फर्जी इंजन ऑयल फैक्टरी का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजधानी में नकली इंजन ऑयल बनाने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। कंझावला इंडस्ट्रियल एरिया में चल रही इस अवैध फैक्टरी पर छापेमारी कर पुलिस ने 2,600 लीटर नकली इंजन ऑयल, मशीनें और पैकेजिंग सामग्री बरामद की है। बरामद माल की कीमत करीब 15 लाख आंकी गई है। पुलिस ने इस संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो भाई सक़लैन अहमद उर्फ प्रिंस और सोहिद उर्फ अल्लू मुख्य साजिशकर्ता हैं। पकड़े गए अन्य आरोपितों की पहचान शकीलुद्दीन उर्फ शकील, शान मोहम्मद और मोहम्मद सलमान के रूप में हुई है।

सटीक सूचना पर मारा छापा

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि कंझावला क्षेत्र में कुछ लोग अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के नाम पर नकली मोबिल ऑयल बना रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर कमल कुमार की अगुवाई एक टीम का गठन किया। पुलिस ने टीम सात अक्टूबर को गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारा और मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नकली ऑयल, खाली बोतलें, स्टीकर, होलोग्राम, और पैकिंग सामग्री जब्त की।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपित प्रिंस और उसका भाई अल्लू, दोनों आगरा (उप्र) के निवासी हैं। उन्होंने मई 2025 में कंझावला में एक फैक्ट्री किराए पर ली थी। दोनों पहले भी 2021 में इसी तरह के अपराध में गिरफ्तार हो चुके हैं।

ये लोग सस्ते और घटिया गुणवत्ता वाले लुब्रिकेंट को महंगे ब्रांड्स के नाम से पैक करते थे। वे फर्जी रैपर, स्टिकर, और होलोग्राम लगाकर असली पैकिंग जैसी हूबहू कॉपी तैयार करते थे। इसके बाद यह नकली ऑयल स्थानीय ऑटो पार्ट्स की दुकानों और वर्कशॉप्स में सस्ते दाम पर सप्लाई किया जाता था। अधिकांश लेनदेन कैश में और फर्जी बिलों के जरिए किया जाता था ताकि कोई पकड़ न सके।

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, और राजस्थान का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती(सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है।

करवा चौथ

प्यार-विश्वास का त्योहार

ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलाओं तक सभी नारियाँ करवाचौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। शास्त्रों के अनुसार यह व्रत कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी के दिन करना चाहिए। पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की अर्चना की जाती है। करवाचौथ में भी संकष्टीगणेश चतुर्थी की तरह दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरांत ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवाचौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

व्रत – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करक चतुर्थी (करवा-चौथ) व्रत करने का विधान है। इस व्रत की विशेषता यह है कि केवल सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। जो सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे यह व्रत रखती हैं।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन (उपसंहार) किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अतः सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करें।

व्रत की विधि – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है, उस दिन प्रातः स्नान करके अपने सुहाग (पति) की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें।

पूजन – उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। पूजन करने के लिए बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी बनाकर उपरोक्त वर्णित सभी देवों को स्थापित करें।

नैवेद्य – शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर मोदक (लड्डू) नैवेद्य हेतु बनाएँ।

करवा – काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के करवे अथवा तांबे के बने हुए करवे।

संख्या – 10 अथवा 13 करवे अपनी सामर्थ्य अनुसार रखें।

पूजन विधि – बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाड़ा बाँधकर देवता की भावना करके स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें।

पूजन हेतु निम्न मंत्र बोलें – ओम शिवायै नमः से पार्वती का, ओम नमः शिवाय से शिव का, ओम षण्मुखाय नमः से स्वामी कार्तिकेय का, ओम गणेशाय नमः से गणेश का तथा ओम सोमाय नमः से चंद्रमा का पूजन करें।

करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएँ। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। पति की माता (अर्थात अपनी सासूजी) को उपरोक्त रूप से अर्पित एक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

पूजन सामग्री

करवा चौथ एक नारी पर्व है। इस व्रत को सौभाग्यवती महिलाएं करती हैं। इस व्रत में प्रमुखतः गौरी व गणेश का पूजन किया जाता है। जिसमें पूजन सामग्री का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। आइए देखते हैं करवा चौथ से जुड़ी पूजन सामग्री की सूची – 1. चंदन 2. शहद 3. अगरबत्ती 4. पुष्प 5. कच्चा दूध 6. शक्कर 7. शुद्ध घी 8. दही 9. मिठाई 10. गंगाजल 11. कुंकू 12. अक्षत (चावल) 13. सिंदूर 14. मेहंदी 15. महावर 16. कंघा 17. बिंदी 18. चुनरी 19. चूड़ी 20. बिछुआ 21. मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन 22. दीपक 23. रुई 24. कपूर 25. गेहूं 26. शक्कर का बूरा 27. हल्दी 28. पानी का लोटा 29. गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी 30. लकड़ी का आसन 31. चलनी 32. आठ पूरियों की अठावरी 33. हलुआ 34. दक्षिणा (दान) के लिए पैसे, इत्यादि।

व्रत की पूजन विधि

हिंदू सनातन पद्धति में करवा चौथ सुहागिनों का महत्वपूर्ण त्योहार माना गया है। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, चूड़ी पहन व सोलह श्रृंगार कर अपने पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। यदि दो दिन की चंद्रोदय व्यापिनी हो या दोनों ही दिन, न हो तो मातृविद्धा प्रशस्यते के अनुसार पूर्वविद्धा लेना चाहिए। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा-बहुत अंतर होता है। सार तो सभी का एक होता है पति की दीर्घायु।

करवा चौथ व्रत विधि

- करवा चौथ की आवश्यक संपूर्ण पूजन सामग्री को एकत्र करें।
- व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें- मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।
- पूरे दिन निर्जला रहें।
- दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं। चित्रित करने की कला को करवा धरना कहा जाता है।
- आठ पूरियों की अठावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं।
- पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।
- गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें।
- जल से भरा हुआ लोटा रखें।
- वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।
- रोली से करवा पर स्वस्तिक बनाएं।
- गौरी-गणेश और चित्रित करवा की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना करें।
  नमः शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभाम। प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे ॥
- करवा पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें।
- कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।
- तेरह दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें।
- रात्रि में चन्द्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चन्द्रमा को अर्घ्य दें।
- इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें।

  पूजन के पश्चात आस-पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।

दूध का अर्घ्य चढ़ेगा चंद्र देव को

पति की लंबी उम्र और मंगल कामना के लिए सुहागिनें करवा चौथ का व्रत रखेंगी। इस दिन निर्जला उपवास कर शाम को चंद्र दर्शन के बाद व्रत का समापन करेंगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। सौभाग्यवती महिलाएं अखंड सुहाग की रक्षा और पति के स्वस्थ्य एवं दीर्घायु जीवन के लिए निर्जला व्रत रखेंगी। इस दिन महिलाएं सुबह से ही व्रत रखकर संध्या के समय करवा चौथ की कथा का श्रवण करेंगी और रात में चंद्रदेव को अर्घ्य देकर व्रत तोड़ेंगी। यह व्रत निराहार ही नहीं बल्कि निर्जला के रूप में ही करना अधिक लाभप्रद माना जाता है। इस व्रत में भगवान शिव-पार्वती, कार्तिकेय, चंद्रदेव और गौरा का पूजन करने का विधान है। विधिवत पूजा-अर्चना के लिए एक तांबे या मिट्टी के पात्र में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री किसी श्रेष्ठ सुहागिन महिला या अपनी सास के चरण स्पर्श कर उन्हें भेंट करना चाहिए। कथा श्रवण करने के बाद रात में जैसे ही चंद्रदेव का उदय हो उसे छलनी से देखकर दूध एवं जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद पहले चंद्रदेव और अपने पतिदेव की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा करने से पति की आयु लंबी होती है।

करवाचौथ की कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी। शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है। उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।

एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है। सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है। अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अँगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुँह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश-श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है। हे श्री गणेश माँ गौरी जिस प्रकार करवा को चिर सुहागन का वरदान आपसे मिला है, वैसा ही सब सुहागिनों को मिले।

भारत भर में मनाया जाता है करवा चौथ

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चौथी तिथि को सदियों से करवा चौथ के रूप में मनाया जाता है। इसे करक, करवा, करूआ या करूवा अनेक नामों से जाना जाता है। कई स्थानों पर इसे करवा गौर के नाम से भी पहचाना जाता है।

करवा मिट्टी या धातु से बने हुए लौटे के आकर के एक पात्र को कहते हैं, जिसमें टोंटी लगी होती है। करवा चौथ का व्रत स्त्रियां अपने सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए रखती हैं। शास्त्रों में दो विशिष्ट संदर्भों की वजह से करवा चौथ व्रत के पुरातन स्वरूप का प्रमाण मिलता है। इस व्रत के साथ शिव-पार्वती के उल्लेख की वजह से इसके अनादिकाल का पता चलता है। संपूर्ण भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी भारत में करवा चौथ का व्रत मनाया जाता है। निर्जला एकादशी व्रत की तरह यह व्रत भी निराहार व निर्जला होता है।

ऐसा माना जाता है कि यह व्रत सिर्फ विवाहिता स्त्रियों के लिए है परंतु अविवाहित कन्याओं द्वारा भी इस व्रत को किए जाने के प्रमाण उपलब्ध हैं। फर्क सिर्फ इतना ही है कि सौभाग्यवती महिलाएं चंद्रदर्शन के पश्चात व्रत तोड़ती हैं और कन्याएं आसमान में पहले तारे के दर्शन के बाद व्रत समाप्त करती हैं। संभव है कि लोकोक्ति पहला तारा मैंने देखा, मेरी मर्जी पूरी इस व्रत के कारण ही शुरू हुई हो। करवा चौथ व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय और चंद्रमा की पूजा की जाती है। इस व्रत के लिए चंद्रोदय के समय चतुर्थी होना जरूरी माना गया है। इस व्रत में करवे का विशेष रूप से प्रयोग होता है। महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती हैं और चंद्रोदय के बाद भोजन-जल ग्रहण करती हैं। करवे में पकवान भरे जाते हैं या पताशे रखे जाते हैं और उन्हें दान में दिया जाता है। कई स्थानों पर चावल से बने व्यंजन भी रखे जाते हैं। इसी दिन शाकप्रस्थपुर के वेदधर्मा ब्राह्मण की विवाहिता पुत्री वीरवती की कथा सुनाई जाती है, जिसने यह व्रत किया था और पुनः अपने पति को प्राप्त किया था। दीवारों पर या जमीन पर सूर्य, चंद्र और करवे के चित्र बनाए जाते हैं। करवे को चावल व अलग-अलग रंगों से आवृत्तियां बनाकर सजाया जाता है। करवे की टोंटी में सरकंडे की सीकें लगाई जाती हैं। टोंटीवाले करवे के लोटे का चयन संकल्प व आचमन हेतु जल निकालने के लिए किया जाना, संभव है इस व्रत के पूर्व में ही विद्यमान रहा होगा।

क्वांटम कंप्यूटिंग के दौर में प्रणालीगत सुरक्षा के लिए सेबी उठा रहा कदमः तुहिन कांत पांडेय

एजेंसी

मुंबई। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग की शुरुआत से बड़ी सुरक्षा चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि नियामक इसे ध्यान में रखते हुए पहले से ही प्रणाली को सुरक्षित बनाने की तैयारी कर रहा है। तुहिन कांत पांडेय ने मुंबई में आयोजित 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन?होंने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग में ऐसी प्रौद्योगिकी क्षमता है, जिससे पासवर्ड जैसे बेहद सुरक्षित माने जाने वाले सुरक्षा तंत्र भी खतरे में पड़ सकते हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि उद्योग समय रहते 'क्वांटम सुरक्षित' प्रणाली के लिए तैयार हो। सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक ने सभी विनियमित हितधारकों की 'क्वांटम के लिए तैयारी' सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की है। इस योजना के तहत तीन चरणों- खोज, तैयारी एवं क्रियान्वयन के जरिए अगले दो से चार वर्षों में सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ किया जाएगा। पांडेय ने कहा कि हम 2028 या 2029 को ध्यान में रखते हुए 'क्वांटम सेफ' कंप्यूटिंग को प्राथमिकता दे रहे हैं, ताकि उद्योग क्वांटम-सुरक्षित क्रिप्टोग्राफी की दिशा में कदम बढ़ा सके। पांडेय ने कहा कि क्रिप्टोग्राफी का मतलब किसी संदेश, डाटा या संचार को अनधिकृत व्यक्तियों से सुरक्षित रखने की तकनीक है। उन्होंने कहा कि क्वांटम मैकेनिक्स के सिद्धांतों पर आधारित क्वांटम कंप्यूटिंग पारंपरिक कंप्यूटर की क्षमताओं से कहीं अधिक जटिल समस्याओं को सुलझाने में सक्षम होगी।

स्टॉक मार्केट में जेलियो ई-मोबिलिटी की शानदार शुरूआत, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक टू और थ्री व्हीलर बनाने वाली कंपनी जेलियो ई-मोबिलिटी लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 136 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 13.89 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 154.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 162.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 19.56 प्रतिशत का फायदा हो गया। जेलियो ई-मोबिलिटी लिमिटेड का 78.34 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.50 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.76 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.32 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

चिरहरित ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। अलग-अलग सेक्टर्स को इनोवेटिव सॉल्यूशन मुहैया कराने वाली कंपनी चिरहरित लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 21 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 16.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर गिर कर 15.96 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। चिरहरित लिमिटेड का 31.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.88 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.73 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

मणिपालसिग्ना ने लॉन्च किया 'सर्वः' - किफायती और भरोसेमंद स्वास्थ्य बीमा समाधान

जयपुर। भारत की अग्रणी स्वास्थ्य बीमा कंपनी मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस ने राजस्थान में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करते हुए किफायती और भरोसेमंद स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की श्रृंखला प्रस्तुत की है। कंपनी ने राज्य में हजारों परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है और पिछले तीन वित्तीय वर्षों में 54.31 करोड़ रुपये के क्लेम का निपटारा किया है। वर्ष 2024-25 के दौरान मणिपालसिग्ना ने पूरे देश में प्राप्त कुल क्लेम्स में से 94 प्रतिशत का निपटारा किया, जबकि जनवरी से अगस्त 2025 के बीच केवल राजस्थान में ही 11 करोड़ रुपये के क्लेम का भुगतान किया गया। वर्तमान में कंपनी राज्य में चार हजार से अधिक सलाहकारों और पांच शाखाओं के माध्यम से कार्यरत है तथा अगले तीन वर्षों में अपने व्यवसाय को तीन गुना बढ़ाने और आगामी दो वर्षों में शाखाओं की संख्या दोगुनी करने की योजना बना रही है।

भारत का हाइड्रोजन युग हो गया शुरूः पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत का हाइड्रोजन युग शुरू हो गया है। देश का लक्ष्य 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन का है, जो ग्लोबल मार्केट में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करेगा। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन की कीमत वर्तमान 3.5 डॉलर प्रति किलोग्राम से घटकर 3 डॉलर प्रति किलोग्राम से नीचे आने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, ÷अगर कीमतें कम होती हैं, तो भारत बड़े पैमाने पर हरित हाइड्रोजन को अपना सकता है, जिससे अंततः हमारी आयात निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में, भारत एक विश्वसनीय हाइड्रोजन हब का निर्माण कर रहा है, जो विकास, निर्यात और एक स्वच्छ भविष्य को बढ़ावा देगा। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, 2.5 डॉलर प्रति किलोग्राम की कीमत पर, भारत 150 अरब डॉलर के ऊर्जा आयात की भरपाई कर सकेगा। केंद्रीय मंत्री पुरी

ने कहा कि लगभग 1 (एमटीपीए) हरित हाइड्रोजन क्षमता की योजना बनाई गई है, जिसकी शुरुआत 42 केटीपीए टेंडर से होगी और बाद में इसे बढ़ाकर 170 केटीपीए किया जाएगा। पायलट फेज में 9 ईंधन भरने वाले स्टेशनों के साथ 37 हाइड्रोजन वाहन लॉन्च किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 19 कंपनियों को लगभग 9 लाख टन प्रति वर्ष (टीपीए) क्षमता के ठेके दिए गए हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 जनवरी 2023 को 19,744 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी थी।

इस मिशन का उद्देश्य 2030 तक हरित हाइड्रोजन के 5 एमएमटी प्रति वर्ष उत्पादन के लक्ष्य के साथ भारत को हरित हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव्स के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक ग्लोबल हब बनाना है। मिशन के हिस्से के रूप में निर्यात और घरेलू उपयोग के माध्यम से मांग सृजन को सुविधाजनक बनाना, स्टील, मोबिलिटी, शिपिंग, विकेन्द्रीकृत ऊर्जा का इस्तेमाल, बायोमास से हाइड्रोजन उत्पादन, हाइड्रोजन भंडारण आदि के लिए पायलट परियोजनाएं, ग्रीन हाइड्रोजन हब का विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए समर्थन इसके प्रमुख घटक हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का वित्त वर्ष 2024-25 के लिए विभिन्न मदों में 600 करोड़ रुपए का परिव्यय निर्धारित है।

स्टॉक मार्केट में वालप्लास्ट टेक्नोलॉजीज की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। सिविल कंस्ट्रक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी वालप्लास्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 5.55 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 57 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 59.85 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि कारोबार के आखिरी आधे घंटे में हुई मामूली बिकवाली के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 59.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 10.56 प्रतिशत का फायदा हो गया। वालप्लास्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 28.09 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.19 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.74 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.46 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52.02 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

भारत सरकार का डेट वित्त वर्ष 31 तक घटकर जीडीपी का 77 प्रतिशत होने का अनुमान : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार का डेट वित्त वर्ष 31 तक घटकर जीडीपी के 77 प्रतिशत तक पहुंच सकता है और वित्त वर्ष 35 में घटकर 71 प्रतिशत हो सकता है, जो कि मौजूदा समय में 81 प्रतिशत पर है। यह जानकारी जारी एक रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया कि जीडीपी अनुपात के मुकाबले डेट में कमी आने की वजह सरकार का राजकोषीय समेकन और जीडीपी वृद्धि दर का लगातार 6.5 प्रतिशत के आसपास बने रहना है। हालांकि, कुछ राज्यों द्वारा दी जाने वाली मुफ्त रेवड़ियों और डेट की स्थिति को भविष्य में मॉनिटर किया जाना आवश्यक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के सरकारी डेट में कमी आने का अनुमान है, लेकिन राजस्व प्राप्तियों की तुलना में ब्याज भुगतान में वृद्धि एक चुनौती बनी रहेगी। ग्लोबल इकोनॉमी अपडेट शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकतर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ज्यादा महंगाई दर

की वजह बढ़ती सेवा लागत, बढ़ती मजदूरी और बढ़ता डेट के स्तर हैं।

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते टैरिफ ने भी अमेरिका में महंगाई को बढ़ावा दिया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने सितंबर में अपनी नीतिगत दर में 25 आधार अंकों की कटौती की थी और इस साल दो और कटौती का संकेत दिया है। केयरएज रेटिंग्स ने संकेत दिया है कि लंबे समय तक शटडाउन रहने से उपभोक्ता और निवेशक धारणा कमजोर हो सकती है और समग्र आर्थिक गतिविधि धीमी हो सकती है। जापान में मुद्रास्फीति कम हो रही है, लेकिन पिछले तीन वर्षों से लगातार केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजार को उम्मीद है कि साल के अंत तक बैंक ऑफ जापान द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना है।

जयंत चौधरी ने एआई पर नीति आयोग के रोडमैप का किया अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब अध्ययन, समावेशी सामाजिक विकास के लिए एआई का शुभारंभ किया। इसे डेलॉइट के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है।कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि ये अग्रणी रिपोर्ट व्यवस्थित रूप से यह पता लगाने का अपनी तरह का पहला प्रयास है कि किस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अग्रणी प्रौद्योगिकियां भारत के 490 मिलियन अनौपचारिक श्रमिकों के जीवन और आजीविका को बदल सकती हैं। जयंत चौधरी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यह रिपोर्ट अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में समावेशिता और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए एआई का लाभ उठाने का एक रोडमैप प्रदान करती है, जो 2047 तक भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। चौधरी ने कहा, भारत के अनौपचारिक कामगारों को सशक्त बनाना सिर्फ़ एक आर्थिक

प्राथमिकता नहीं, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। कामगारों के लिए एआई में डिजिटल कौशल विकास का लक्ष्य, एआई और अग्रणी तकनीकों का लाभ उठाकर, शिक्षा को अनुकूल, सुलभ और मांग-आधारित बनाने के हमारे राष्ट्रीय कौशल एजेंडे के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। उन?होंने कहा कि सरकार, उद्योग और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, यह मिशन यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक कामगार–चाहे वह किसान हो, कारीगर हो या स्वास्थ्य सेवा सहायक–के पास भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था में फलने-फूलने के लिए आवश्यक कौशल, उपकरण और अवसर हों।

सर्राफा बाजार में मजबूती का सिलसिला जारी, सोना और चांदी ने फिर बनाया तेजी का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। ये दोनों चमकीली धातुएं आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई हैं। आज के कारोबार में सोना 1,750 रुपये से लेकर 1,910 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी भी 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है।

कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,23,940 रुपये से लेकर 1,24,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,13,610 रुपये से लेकर 1,13,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,24,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,23,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24

कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,23,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,23,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,13,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,23,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,24,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,13,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,23,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,13,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,24,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,23,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,13,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत का डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से परिपक्व हुआ : संजय मल्होत्रा

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों से उपयोग में आसान और सभी के लिए सुलभ उत्पाद डिजाइन करने को कहा, ताकि भारत को वित्तीय समावेश हासिल करने और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने में मदद मिल सके। संजय मल्होत्रा ने यहां 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि भारत का डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से परिपक्व हुआ है और दैनिक यूपीआई लेनदेन अब वैश्विक रीयल-टाइम भुगतानों का आधा हिस्सा है। उन्होंने बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मुद्दे का भी उल्लेख किया और इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए प्रयास करने की वकालत की। मल्होत्रा ने फिनटेक कंपनियों से आग्रह किया कि वे भारत के कम विकसित क्षेत्रों में पहुंच में सुधार करें, तथा ऐसे उत्पाद डिजाइन करें जो कम डिजिटल साक्षरता वाले लोगों के लिए सहज और उपयोग में आसान हों।ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2025 में आरबीआई के गवर्नर ने फिनटेक कंपनियों के लिए पांच मार्गदर्शक सिद्धांतों को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में वित्तीय समावेशन और नवाचार को गति देना है। उन्होंने कंपनियों को सहज अनुभव बनाने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि ग्राहकों को कभी भी सहायता पर निर्भर न रहना पड़े, जिससे परेशानी कम हो और सहभागिता में सुधार हो। उन्होंने कहा कि डेटा की उपलब्धता के कारण अब रिटर्न दाखिल करने जैसे काम में महीनों लगने वाले काम कुछ ही मिनटों में हो जाते हैं। मल्होत्रा ने डिजिलॉकर जैसी तकनीकी पहलों और जीएसटी कार्यान्वयन में सहायक आईटी ढांचे पर भी प्रकाश डाला।

ग्रीनलीफ इनवायरोटेक ने किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्यूरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी ग्रीनलीफ एंवायरोटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 136 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 0.81 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 134.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही गिर कर 128.15 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.77 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ग्रीनलीफ एंवायरोटेक का 21.90 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 6 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस

आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.84 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.52 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 17.81 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 3 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने, पुराने कर्ज का बोझ हल्का करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 97 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.28 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.70 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 21 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 39.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में लगातार कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी पर 6.12 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में कम होकर 5.13 करोड़ रुपये हो गया।

डीएसएम फ्रेश फूड्स की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। जैपफ्रेश ब्रैंड नेम से फ्रेश मीट प्रोडक्ट्स बेचने वाली कंपनी डीएसएम फ्रेश फूड्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 120 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही 126 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 26 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। डीएसएम फ्रेश फूड्स का 59.06 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 सितंबर से 6 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.36 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.53 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.06 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.96 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 59,06,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर के साथ ही मार्केटिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.67 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 9.05 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 52 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 131.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी पर 2.07 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 7.65 करोड़ रुपये हो गया।

सन स्काई लॉजिस्टिक की स्टॉक मार्केट में शानदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी सनस्काई लॉजिस्टिक लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 46 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10.86 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 51 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 53.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 16.41 प्रतिशत का फायदा हो गया। सनस्काई लॉजिस्टिक लिमिटेड का 16.84 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.46 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.01 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.93 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 36.60 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

भारत नवाचार का लोकतंत्रीकरण कर रहा है, इसे प्रत्येक नागरिक के लिए बना रहा है सुलभः पेम्मासानी चंद्रशेखर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि राष्ट्रीय मानसिकता में सकारात्मक बदलाव से कृत्रिम मेधा, क्वांटम प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति को बढ़ावा मिल रहा है। भारत नवाचार को प्रत्येक नागरिक के लिए सुलभ बनाकर इसे एक जन आंदोलन में बदल रहा है। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री ने नई दिल्ली के यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के अवसर पर 'कनेक्टिविटी से परेः कल के नवाचार के इंजनों का लोकतंत्रीकरण÷ शीर्षक से एक सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। डॉ. पेम्मासनी चंद्रशेखर ने कहा कि कहा कि भारत नवाचार को एक विशिष्ट प्रयास से जनांदोलन में बदल रहा है। डॉ. चंद्रशेखर ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत एक ऐसा नवाचार इको-सिस्टम तैयार कर रहा है, जो समावेशी, सुलभ और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी हो। उन्होंने कहा, हम भविष्य के नवाचार के इंजनों को प्रत्येक भारतीय के लिए उपयोगी बनाकर इसका लोकतंत्रीकरण कर रहे हैं। 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025' में अपने संबोधन के दौरान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नवाचार भारत के लिए नया नहीं है। डॉ. चंद्रशेखर ने राष्ट्रीय चिंतन में आए बदलाव को भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अटल टिंकरिंग लैब्स से लेकर स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक की पहल नवाचार को सभी के लिए सुलभ बना रही हैं। भारत की विरासत-शून्य और शतरंज-पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, नवाचार हमारे डीएनए में है और हम इसे एक नई सदी के लिए जागृत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने जो हासिल किया है वह व्यवस्थित है। दुनिया भारत पर इसलिए विश्वास करती है क्योंकि भारत को खुद पर विश्वास है। हम भविष्य के नवाचार के इंजनों को हर भारतीय के लिए कारगर बनाकर इसका लोकतंत्रीकरण कर रहे हैं। डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि पिछले दशक में कनेक्टिविटी से रचनात्मकता की ओर भारत की नवाचार यात्रा एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको-सिस्टम बन गया है। यहां 1.9 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं, जबकि पेटेंट दाखिल करने की संख्या दोगुनी हो गई है, जो 2014 में 40,000 से बढ़कर 2025 में 80,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने देश के नवाचार परिदृश्य के तेजी से विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि कोड अब टियर-3 शहरों में लिखे जा रहे हैं और स्टार्टअप कॉलेज के छात्रावासों में जन्म ले रहे हैं। नवाचार अब एक विशेषाधिकार नहीं रहा, बल्कि यह एक राष्ट्रीय आदत बनता जा रहा है। डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डिजिटल समावेशन के एक दशक ने जेएएम ट्रिनिटी के जरिए 900 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक कम लागत वाली इंटरनेट पहुंच और यूपीआई के 10 अरब से अधिक मासिक लेनदेन के माध्यम से नवाचार की नींव रखी है। इससे प्रत्येक नागरिक को जुड़ने, निर्माण करने और योगदान करने में सक्षम बनाया गया है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3, स्वदेशी 4जी/5जी, मेड-इन-इंडिया एमआरआई और रक्षा निर्यात में 30 गुना वृद्धि जैसी उपलब्धियां भारत की बढ़ती तकनीकी ताकत और आत्मनिर्भरता की ओर इसकी यात्रा को दर्शाती हैं। डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि जीएसटी, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, श्रम कानूनों का सरलीकरण और पूर्वव्यापी कराधान की समाप्ति जैसे सुधारों ने एक पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उन्होंने कहा, भारत लाइसेंस राज से हटकर विश्वास-प्रथम मॉडल की ओर अग्रसर होकर उद्यमियों को राष्ट्र-निर्माता के रूप में सम्मानित कर रहा है।

देश का दर्पण न्यूज प्राइवेट लिमिटेड 14 नंबर वीकेआई सीकर रोड जयपुर राजस्थान मोबाइल नंबर 701499 7449/ 7878970109 deshkadarpannews.@gmail.com website - www.deshkadarpannews.co/www.deshkadarpannews.com